जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 58 प्रभात चूरू, मंगलवार 25 जून, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

एन.डी.ए. के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी हुई संसद में

ओडीशा के पूर्व मु.मंत्री नवीन पटनायक ने राज्यसभा में अपने नौ सांसदों को हिदायत दी कि, राज्यसभा में सजीव व सशक्त विपक्ष की भूमिका निभायें, एन.डी.ए. को समर्थन देने की बिल्कुल न सोचें

- अब तक बी.जे.डी., एन.डी.ए. को महत्वपूर्ण मुद्दों पर समर्थन करती आई थी। पर, बी.जे.डी. की नई लाइन होगी, ओडीशा का हित सर्वोपरि रहेगा, तथा अगर मोदी सरकार, ओडीशा के हितों की अवहेलना करती है तो बी.जे.डी. के सांसद (राज्यसभा सदस्य) जमकर विरोध करेंगे।
- बी.जे.डी. (बीजू जनता दल) ने ओडीशा की, कोयले की रॉयल्टी बढ़ाने की पुरानी मांग व ओडीशा में मोबाइल कनेक्टिविटी कमज़ोर होने तथा नैशनलाइज्ड बैंकों की बहुत कम शाखाएँ होने की पुरानी शिकायतों को दोहराया।
- अब तक बी.जे.डी. ''इशू बेस्ड'' समर्थन ही नहीं देती थी, एन.डी.ए. को, बल्कि अन्य मौकों पर एन.डी.ए. की ओर सहायता का हाथ भी बढ़ाती थी, जैसे, 2019 से अब तक रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को, ओडीशा का राज्यसभा सदस्य बनाकर भेजने में पूर्ण मदद की थी।
- दूसरी और प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी तीन पेज का खत लिखकर प्र.मंत्री मोदी को शिकायत दर्ज कराई है कि, हाल ही में बांग्लादेश की प्र.मंत्री से गंगा व तीस्ता नदी तथा, फरक्का बैराज से पानी के बंटवारे पर बातचीत की, तथा प.बंगाल को इस बातचीत में शामिल नहीं किया, यह अनुचित है। क्योंकि बंगाल व बांग्लादेश के भौगोलिक, सांस्कृतिक व आर्थिक संबंध हैं, जिसकी गहराई शायद कोई और नहीं समझ सकता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले सत्तारुढ़ एन.डी.ए. के सामने चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, ओडीशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि, राज्य सभा में अपने नौ सांसदों के साथ बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) भाजपा को समर्थन नहीं देगा।

नवीन पटनायक ने अपने सांसदों से यह भी कहा है कि, वो अपने राज्य के हितों से संबंधित मुद्दों को उपयुक्त तरीके से जोर-शोर से उठाएं। बी.जे.डी. सुप्रीमो ने अपनी पार्टी के नौ राज्यसभा सांसदों से कहा है कि, संसद के उच्च सदन में वो ''सजीव व सशक्त'' नेता बनकर उभरें।

सोमवार को पटनायक की सांसदों के साथ हुई बैठक में यह संदेश दिया गया।

बी.जे.डी. के राज्यसभा सांसद, सस्मित पात्रा ने पत्रकारों से कहा, ''इस बार बी.जे.डी. सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि, आंदोलन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, यदि केन्द्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने ओडीशा के हितों की अनदेखी की।''

ओडीशा के लिए विशेष दर्जे की मांग उठाने के अलावा, बी.जे.डी. के सांसद, राज्य में मोबाइल की खराब कनैक्टिविटी और राज्य में नैश्नलाइज्ड

(शेष पृष्ठ 5 पर)

इमर्जेंसी के खिलाफ आज भाजपा का विरोध प्रदर्शन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। भारतीय जनता पार्टी को सोमवार को अचानक ''लोकतंत्र के काले दिनों की याद में देशव्यापी स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की याद आई, ज्ञातव्य है कि 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार ने देश में आपातकाल लागू किया था।

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष अनिल बलूनी ने उन दिनों को याद कर कहा कि किस प्रकार आपातकाल लागू होने के अगले 21 महीनों तक कांग्रेस सरकार ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बंधक बना लिया था तथा जनता, मीडिया व विपक्षी नेताओं पर बेशुमार अत्याचार किए गए थे। भाजपा का यह विरोध प्रदर्शन राहुल गांधी के संविधान बचाओ कार्यक्रम का जवाब है। उसका यह कार्यक्रम राष्ट्रव्यापी नहीं

- 49 साल पहले सन् 1975 में 25 जून को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया था। भाजपा के इस कदम को कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन में अलग-थलग करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ममता बनर्जी ने केन्द्रीय सरकार को ज्ञापन भेजा नीट परीक्षा पर

''नीट परीक्षा प्रणाली रद्द हो, तथा राज्य सरकार द्वारा मैडिकल कॉलेजों मे प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित करने का अधिकार राज्य सरकारों को पुनः दे दिया जाये, जैसा कि, 2017 से पहले था''

- ममता बनर्जी का तर्क है कि, सन् 2017 से पहले इतना व्यापक भ्रष्टाचार नहीं था, एडमिशन की परीक्षाओं में जितना अब है।
- ममता बनर्जी का यह भी कहना है कि, हर डॉक्टर को तैयार करने में राज्य सरकार लाखों रूपए खर्च करती है, अतः उनके चयन में भी राज्य सरकार की दखल होनी चाहिये।
- पर, यह भी सच है कि, ममता बनर्जी को यह ज्ञान अब प्राप्त हुआ, जब उन्हें लोकसभा चुनाव में भाजपा के मुकाबले झटका लगा, शहरी क्षेत्रों में, म्युनिसिपल एरियाज़ में।
- नयी ममता ने यह स्वीकारते हुए अपने प्रशासन व वरिष्ठ नेताओं की भी भर्त्सना की, जिन्होंने शहरी क्षेत्रों में अपने कृत्यों से बदइंतजामी व भ्रष्टाचार फैलाया था।

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा सरकारी नौकरियों की परीक्षा में हेरा-फेरी कर भारी घोटाला करने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मैडिकल प्रवेश की परीक्षाएं राज्यों में ही आयोजित करने वाले पुराने सिस्टम को बहाल करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को एक प्रतिवेदन भेजा है।

उन्होंने शहरी क्षेत्रों में विफल रहने वाले तृणमूल कार्यकर्ताओं के साथ ही निगम में अपने स्वयं के निर्वाचित अधिकारियों की जोरदार खिंचाई शुरू कर दी है। उन्होंने वह काम शुरू कर दिया है, जिसमें वे माहिर हैं, यानी कि नए से नए आंदोलन शुरू करना, ना कि सुशासन पर ध्यान देना।

यह सर्वविदित है कि राज्य सरकार की भर्ती प्रक्रिया तृणमूल के उन नेताओं द्वारा दूषित कर दी गई जिन्होंने नौकरी के इच्छुक लोगों से भर्ती प्रक्रिया के लिए रिश्वत ली थी। सी.बी.आई. ने सरकारी नौकरियों के घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के कुछ शीर्ष कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के दौरान यह पता चला कि सरकारी भर्ती में तृणमूल की संलिप्तता रही है।

इसके विपरीत ममता ने अब नीट व नैट परीक्षाओं में पेपर लीक पर हमला बोला है। उन्होंने इस घोटाले के लिए केन्द्र सरकार को जिम्मेवार माना है। ममता बनर्जी का मानना है कि पहले के सिस्टम में राज्य मेडिकल एन्ट्रैन्स परीक्षा आयोजित करते थे, जिसमें

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस सांसदों ने संविधान हाथ में लेकर शपथ ली

प्र.मंत्री मोदी द्वारा लोकसभा की सदस्यता की शपथ ग्रहण के दौरान कांग्रेस ने संविधान की प्रति लहराई

- शुक्रवार को नई लोकसभा की शुरुआत हुई। पहले दिन प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने नए सांसदों को शपथ दिलाई।
- पहले दिन लोकसभा 6 बजे स्थगित हो गई, अतः मंगलवार को भी शपथ ग्रहण जारी रहेगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून, लोकसभा के नव निर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को जैसे ही सदस्यता की शपथ ग्रहण की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व अन्य पार्टियों के सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी को संविधान की प्रति दिखाई, क्योंकि प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि महताब जो भाजपा के सबसे वरिष्ठ सांसद भी हैं, ने सबसे पहले मोदी को सदस्यता की शपथ दिलाई थी। और उसके बाद सांसदों को। कांग्रेस के बहुत सारे सांसदों ने उनके हाथों में संवधिान की प्रति पकड़े हुए शपथ ग्रहण की।

सदस्यों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम कल भी जारी रहेगा क्योंकि सदन सोमवार को शाम 6:00 बजे स्थगित हो गया। महताब के कामकाज में भाजपा के दो सांसदों ने सहयोग किया, क्योंकि कांग्रेस के सांसद के. सुरेश कुमार ने वरिष्ठतम सांसद होने के बावजूद राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा उन्हें प्रो-टैम स्पीकर नियुक्त नहीं करने के विरोध में विपक्ष ने राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त गठित पैनल में नियुक्ति को अस्वीकार कर दिया। इस विरोध के जवाब में सरकार का जवाबी तर्क यह है कि महताब, जो बीजू जनता दल (बी.जे.डी.) से दल बदलकर आये थे उनकी आठवें कार्यकाल तक निरन्तरता रही है जबकि सुरेश के कार्यकाल में ब्रैक था।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस को यह स्वीकार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री व गृह मंत्री अमित शाह संविधान पर हमला करें और यही कारण है कि पार्टी के सांसद शपथ ग्रहण करते समय संविधान की प्रति अपने हाथ में लिए हुए हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या इससे सही संदेश जाता है। इस पर राहुल ने कहा कि संदेश जोरदार व स्पष्ट है कि संसार में ऐसी कोई शक्ति नहीं है जो भारतीय संविधान के साथ छेड़छाड़ कर सके या उसे नष्ट कर सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही सरकार को बचाने के लिए बैकफुट पर हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत इंडिया गठबंधन अपना दबाव बढ़ाएगा और लोगों को अपनी आवाज़ उठाने के लिए प्रेरित करेगा ताकि प्रधानमंत्री मोदी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अधिकतम 10 टन गेहूँ का स्टॉक रखा जा सकता है

नई दिल्ली, 24 जून (वार्ता)। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने गेहूं की जमाखोरी रोकने के लिए पूरे देश में गेहूं के स्टॉक पर तत्काल प्रभाव से उच्चतम सीमा लागू कर दी है। यह आदेश 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगा।

मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, समठा खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने तथा जमाखोरी और बेईमानी से की जा रही सट्टेबाजी को रोकने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर लागू गेहूं पर स्टॉक सीमा लगाने का निर्णय लिया है।

- सरकार ने गेहूं के स्टॉक पर तत्काल प्रभाव से उच्चतम सीमा लागू कर दी है। यह आदेश 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगा। अधिकतम 10 टन गेहूँ का भंडारण किया जा सकेगा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा ने तमिलनाडू शराब दुखांतिका पर कांग्रेस के मौन पर सवाल उठाए

भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिख कर कहा, आदिवासियों की मौत पर कांग्रेस की चुप्पी पर मैं स्तब्ध हूँ

- नड्डा ने कहा कि, तमिलनाडू का गांव करूणपुरम, जहाँ ज़हरीली शराब पीने से 58 लोग मरे हैं, वह अनुसूचित जाति बहुल गांव है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से कहा, अनुसूचित जाति के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए।
- नड्डा ने कहा, अब समय है ''न्याय'' की बात करने का। आप ''न्याय'' को एक असफल नेता को स्थापित करने की कोशिश में मात्र एक आकर्षक ''नारे'' की तरह ही इस्तेमाल ना करें।
- कोलकाता ट्रेन हादसे, नीट पेपर लीक, जैसे मुद्दों पर बुरी तरह से विपक्षी इंडियाा गठबंधन के निशाने पर आई भाजपा सरकार को तमिलनाडू हादसे ने विपक्ष पर पलवार करने का हथियार दे दिया है।
- नड्डा ने कहा कि, इंडिया गठबंधन के दलों में अवैध शराब का धंधा करने व शराब घोटाला करने की प्रवृत्ति निहित है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। कोलकाता ट्रेन दुर्घटना और नीट पेपर लीक पर देशभर में हो रहे प्रदर्शनों के कारण विपक्ष के दबाव में आई भाजपा को भी इंडिया गठबंधन को घेरने के लिए मुद्दा मिल गया है भाजपा ने तमिलनाडु में हुई अवैध शराब दुखांतिका को लेकर इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा है। इस हादसे में 58 लोग मारे जा चुके हैं तथा कई अस्पताल में भर्ती हैं।

भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक कड़ा पत्र लिखा और ''मैन मेड'' विनाश पर चुप्पी के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारण हुई ये मौते टाली जा सकती थीं उन्होंने इस घटना की सी.बी.आई. से जांच कराने की मांग की।

नड्डा ने अपने पत्र में लिखा, जब इतना बड़ा हादसा हुआ तब मैं स्तब्ध रह गया। आपके नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साधे रखी है। इस समय भाजपा और पूरा देश आपसे मांग करता है कि आप द्रमुक, जो तमिलनाडू में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करता है से इस हादसे की सी.बी.आई.जांच से करवाने तथा मुथुस्वामी को मंत्री पद से हटाने के लिए कहें।

तमिलनाडु में भाजपा सहित सभी विपक्षी दलो ने पूरे राज्य में धरना प्रदर्शन शुरु कर दिया है और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से इस्तीफा मांग रहे है। नड्डा ने कहा कि अगर द्रमुक सरकार व अवैध शराब माफिया की सांठ-गांठ नहीं होती तो ये जाने बच सकती थी।'' भाजपा प्रमुख ने कहा कि, अवैध शराब दुखांतिका के बाद करुणापुरम गांवों में इतनी सारी चिताए जलने का दृश्य बेहद डराने वाला है। इस हादसे में 159 लोग अस्पताल में भर्ती है। इस घटना ने देश के जनमानस को झरझोर दिया है।

भाजपा प्रमुख ने कांग्रेस अध्यक्ष को कहा कि करुणापुरम गांव, जहां यह हादसा हुआ है, में अनुसूचित जाति की आबादी ज्यादा है जिन्हें तमिलनाडु में भारी भेदभाव और गरीबी सहनी पड़ती

(शेष पृष्ठ 5 पर)

इंडिया और एन.डी.ए. के बीच राउण्ड-2 मुकाबला

नई दिल्ली, 24 जून। लोकसभा चुनाव के बाद अब देश में 13 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होना है। सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाला एन.डी.ए. और विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन इसे लेकर तैयारियों में जुट गया है। मालूम हो कि आम चुनाव में भाजपा बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गई जबकि इंडिया ने अपनी संख्या और ताकत काफी मजबूत कर ली। 7 राज्यों की 13 विधानसभा क्षेत्रों में 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। राजस्थान में पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। ये सीटें विभिन्न दलों के मौजूदा विधायकों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण खाली हुई हैं। इनमें बिहार की रूपौली, पश्चिम बंगाल

- 7 राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को वोटिंग होगी। राजस्थान में 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

संसद के पहले ही दिन प्र.मंत्री मोदी व इंडिया गठबंधन के नेता खड़गे के बीच झड़प देखने को मिली

झड़प का मुख्य मुद्दा रहा, ''एमरजैंसी शब्द'' की परिभाषा

- प्र.मंत्री मोदी ने कहा, 25 जून, इंदिरा गांधी द्वारा घोषित ''एमरजैंसी'' को पचास साल पूरे होंगे तथा भारत की जनता इसे हमारे प्रजातंत्र को सबसे काले धब्बे के रूप में याद करेगी, जब संविधान की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को विशाल जेल में परिवर्तित हो गया था।
- खड़गे ने प्रत्युत्तर में कहा कि, प्र.मंत्री को पचास साल पुरानी ''एमरजैंसी'' तो याद है, पर, वो एमरजैंसी याद नहीं, जो गत दस साल से भाजपा ने देश पर लाद रखी है। जनता को वर्तमान ''एमरजैसी'' कतई स्वीकार नहीं, और जनता ने अपनी राय लोकसभा चुनाव में साफ जाहिर कर दी है, स्टाम्प लगाकर, भाजपा को बहुमत प्रदान न करके।
- प्र.मंत्री मोदी ने इस मुद्दे पर कहा कि, साठ साल बाद यह मौका आया है कि, जनता ने तीसरी बार लगातार किसी सरकार को जिता कर भेजा है। आशा है विपक्ष इस निर्णय की गरिमा को स्वीकार करेगा, क्योंकि जनता जिम्मेवार विपक्ष चाहती है, तथा संसद में बहस, मंथन चाहती है, न कि, शोर शराबा व लगातार व्यवधान।
- पहले दिन के घटनाक्रम से यह तो साबित हुआ कि, यह तो स्वीकार कर लिया गया है कि, भाजपा को झटका लगा है, पर, प्र.मंत्री मोदी सदन को विपक्ष की मनमर्जी अनुसार हांकने नहीं देंगे, तथा किसी विपक्षी दल नेता को वो महत्व व स्थान नहीं देना चाहते, जो विपक्ष समझता है कि, वह उसका हकदार है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। लोकसभा चुनावों के बाद संसद के प्रथम सत्र में ही आज सत्तारूढ़ एन.डी.ए. और इंडिया गठबंधन के बीच झड़प हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच ''आपातकाल'' शब्द को लेकर वाक्युद्ध छिड़ गया।

मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने तीसरे कार्यकाल के पहले संसद सत्र की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। आज सुबह लोकसभा की बैठक शुरु होने से पूर्व प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को निशाना बनाते हुए ''आपातकाल'' को लेकर प्रहार किया।

प्रधानमंत्री ने सदन की बैठक शुरु होने से पूर्व मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि कल 25 जून आपातकाल की 50वीं बरसी होगी। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र पर एक ''काले धब्बे'' की संज्ञा दी।

कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा कि ''आप विपक्ष को चेतावनी दे रहे हैं। आप 50 साल पुराने आपातकाल की बात कर रहे है, लेकिन आप पिछले 10 सालों से चल रहे अघोषित आपातकाल को भूल गए हैं।''

खड़गे ने कहा कि देश की जनता ने मोदी जी के खिलाफ जनादेश दिया है तथा इंडिया गठबंधन संसद के भीतर और बाहर जनता की आवाज़ उठाएगा।

संसद का वर्तमान सत्र देश में आम चुनाव सम्पन्न होने के बाद आयोजित किया जा रहा है और विपक्ष लोकसभा चुनाव में अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित है, जिसमें उसने भाजपा को बहुमत का आंकड़ा छूने से रोक दिया था। ऐसा लगा कि एन.डी.ए. सहयोगियों के समर्थन से पुनः प्रधानमंत्री पद पर लौटे प्रधानमंत्री विपक्ष को उचित सम्मान देने के मूड में बिल्कुल भी नहीं हैं और टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार थे। विपक्ष की योजना अपने संख्याबल के बलबूते पर सरकार को सदन में घेरने की है। तथापि, प्रधानमंत्री के भाषण शैली से समझ में आता है कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में भले ही आघात लगा हो, किन्तु विपक्ष को अपनी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

''ब्रिटानिया'' की 70 साल पुरानी फैक्टरी बंद

कोलकाता, 24 मई। कोलकाता में ''ब्रिटानिया'' की 70 साल से चल रही फैक्टरी बंद हो गई है। फैक्टरी के बंद होने को लेकर भाजपा ने टी.एम.सी. की सरकार पर हमला बोला है।

- भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि, कोलकाता की इस फैक्टरी का बंद होना वास्तव में बंगाल के पतन का प्रतीक है। एक ऐसा राज्य जो कभी अपनी समृद्धि के लिए मशहूर था, वह आज पतन के रास्ते पर है।

ब्रिटानिया ने घोषणा की है कि उसके फैक्टरी के सभी कर्मचारियों को वी.आर.एस. पर भेजा जा रहा है और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

अपराधी के दंड में उपयोगिता होनी चाहिए। –वाल्टेयर

नौकरी और प्रवेश परीक्षाओं में आमूल चूल परिवर्तन करना ही होगा

एन टी ए द्वारा आयोजित नीट परीक्षा में जिस बड़े पैमाने पर धांधली, पेपर लीक और भ्रष्टाचार होने की घटनाएँ सामने आई हैं, उसके आधार पर पूरी परीक्षा को ही एक 'स्कैम' कहा जा सकता है। एन टी ए ने पेपर लीक की आशंका के कारण 'यू जी सी- नेट', 'सी एस आइ आर - नेट' 'नीट - पी जी' की परीक्षाएँ भी स्थगित/रद्द कर दी हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों, लोक सेवा आयोगों और सरकारों द्वारा आयोजित अनेक भर्ती परीक्षाएँ भी पेपर लीक के कारण निरस्त की गईं हैं। कुल मिलाकर पूरी परीक्षा प्रणाली ही इतनी दोष पूर्ण हो गई है कि लाखों, करोड़ों युवाओं का भविष्य ही दांव पर लग गया है। ऐसी परिस्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि पूरे देश में विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए और विभिन्न उच्च/ तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षाओं की मूल अवधारणा पर पुनर्विचार किया जाए एवं आवश्यक हो तो उसमें आमूल चूल परिवर्तन करके नई व्यवस्था को स्थापित किया जाए। यदि सरकारी सेवाओं में लोग भ्रष्टाचार की सीढ़ी पर चढ़कर आएंगे एवं इंजीनियरिंग और मेडिकल की परीक्षाओं में छात्र केवल ऐसी परीक्षाओं के आधार पर प्रवेश पाएंगे तो फिर देश में किस प्रकार के अधिकारी, डॉक्टर और इंजीनियर होंगे, इसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है।

इस आलेख में हम इस पर चर्चा करेंगे कि पूरी भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किस प्रकार से होना चाहिए ताकि श्रेष्ठ और सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति चयनित हो सकें। आज हम विभिन्न परीक्षाओं के माध्यम से केवल अभ्यर्थियों के स्मरण शक्ति की परीक्षा लेते हैं कि वह कितनी जानकारी को अपने दिमाग में ठूँस सकता है और परीक्षा के 3 घंटे में उनमें से कितनी उगल सकता है। इसी आधार पर यह तय हो जाता है कि कौन किसी महत्वपूर्ण सरकारी पद पर बैठने लायक है, कोई व्यक्ति डॉक्टर बनकर के चिकित्सा के क्षेत्र में जाने लायक है अथवा इंजीनियर बनकर सड़कों, भवनों या पुलों का निर्माण करने योग्य है?

प्रथम आवश्यकता यह है कि प्रत्येक प्रकार की सेवाओं के लिए यह तय किया जाए कि उस सेवा में अधिकारी अथवा कर्मचारियों में किस प्रकार के गुण, योग्यता और कौशल की आवश्यकता है? कोई व्यक्ति यदि गणित के सवाल बहुत अच्छे कर लेता है या राजनीति शास्त्र या संस्कृत आदि-आदि विषयों में पारंगत है या रट करके इतिहास के तथ्य और तिथियां परीक्षा में लिख सकता है या देश-दुनिया के भूगोल के बारे में अच्छी जानकारी रखता है तो इस आधार पर वह कैसे राजकीय सेवा के लिए उपयुक्त घोषित हो जाता है? अभी तो हम यह मानकर चल रहे हैं कि परीक्षाएँ पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से आयोजित हो रही हैं। केवल कुछ विषयों की जानकारी को रट कर अधिक अच्छे अंक प्राप्त करके वह किसी सेवा में प्रवेश कर लेता है तो यह एक प्रकार से विडंबना ही होगी। यही एक कारण है, जिससे हमारी नौकरशाही की एवं विभिन्न सरकारी सेवाओं की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

सरकार में पद के महत्त्व और कार्य के अनुसार अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए आवश्यक कौशल और व्यक्तिगत गुणों को निर्धारित किया जा सकता है। फिलहाल यदि हम चयन में भ्रष्टाचार की बात छोड़ भी दें तो विभिन्न परीक्षाओं के लिए जिस प्रकार के कोचिंग इंस्टिट्यूट बन गए हैं, और जिस तरह से विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार किया जा सकता है, उससे कभी भी अभ्यर्थी का मूल चरित्र एवं उसकी क्षमता का पता लगना लगभग असंभव है ।

किसी सरकारी पद पर नियुक्त व्यक्ति में कुछ गुण और दक्षता अत्यावश्यक हैं जैसे- संवेदनशीलता, ईमानदारी, समस्या के जड़ में जाने की क्षमता, विश्लेषण की क्षमता, लिखित और मौखिक संप्रेषण की क्षमता, अपनी बात को समझाने का कौशल, अपने विचार को स्पष्ट और सटीक रूप से लिखकर प्रस्तुत करने की क्षमता, विकट परिस्थितियों में अपना संतुलन बनाए रखने की क्षमता, टीम के सदस्य के रूप में काम करने की क्षमता, समय पालन की आदत, नेतृत्व की क्षमता, उपलब्धियों का श्रेय अपने साथियों को देने की इच्छा, कमजोर एवं वंचित लोगों के प्रति अधिक संवेदनशीलता, महिलाओं को प्रति सम्मान की भावना, निशक्तजनों के प्रति आदर, समाज में बदलाव लाने की उत्कट इच्छा, जनप्रतिनिधियों के साथ संतुलन बनाते हुए भी अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधे रखते हुए सही बात सामने रखने का साहस, नम्रता पूर्वक व्यवहार करते हुए भी गलत काम करने से इनकार करने का साहस, जाति, वर्ग, विशेष से ऊपर उठकर निर्णय लेने की दक्षता और क्षमता, सरलता और सादगी पूर्ण व्यवहार, आडंबर पूर्ण व्यवहार और अहंकार रहित जीवन जीने की इच्छा, भ्रष्टाचार के प्रति असहनशीलता, अनुचित माध्यम से धन प्राप्ति की अनिच्छा, अन्य के भ्रष्टाचार में सहायक न बनने की हिम्मत, राजनीति से प्रभावित हुए बिना अपने कार्य को जनहित में करते रहने की प्रबल आकांक्षा।

पद के महत्त्व और कार्य के अनुसार उपरोक्त सूची में कुछ घटाये-बढ़ाए जा सकते हैं। सबसे पहले यह भी तय करने की आवश्यकता है कि क्या राजनीतिक नेतृत्व को उपरोक्त लिखित गुणों के आधार पर चयनित व्यक्ति उन्हें प्रशासन में चाहिए अथवा नहीं? स्वाभाविक है, कोई भी नेता, किसी भी राजनीतिक दल का हो, उपरोक्त का विरोध नहीं कर पाएगा। एक बार यह निश्चित हो जाए कि किस प्रकार के वांछित गुण अच्छे राजकीय कर्मचारी या अधिकारी में होने चाहिए, तो फिर अगला प्रश्न यह उठाता है कि ऐसे गुणों से युक्त व्यक्तियों की पहचान किस प्रकार की जाए ताकि इसके लिए किसी भी अभ्यर्थी का पुराना रिकार्ड और पृष्ठभूमि को देखा जा सकता है।

कई प्रकार के मनोवैज्ञानिक विधियां हैँ जिनकी सहायता ली जा सकती है। उसे विभिन्न प्रकार की स्थितियों में रखकर उसका विश्लेषण करने हेतु कहा जा सकता है।

उपरोक्त लिखित विभिन्न प्रकार के गुणों की पहचान करना सम्भव है। कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तो उसका नुकसान एक बार होता है लेकिन गलत व्यक्ति का चयन उससे भी बड़ा अपराध है क्योंकि गलत रूप से राजकीय सेवा में आया व्यक्ति अगले 30-35 साल तक जन हित के विरुद्ध कार्य करेगा । भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया 4-5 दिन चलती है। उसके माध्यम से सेना के अधिकारी में किस प्रकार के गुण चाहियें, उसका आकलन बहुत बड़ी सीमा तक सही हो पाता है। इससे सीख लेकर अन्य सेवाओं में भर्ती की प्रक्रिया निर्धारित की जा सकती है।

हमारी चयन की सारी प्रणाली इतनी अधिक दोषपूर्ण हो चुकी है कि इस पर एक बार पुनर्विचार अत्यंत आवश्यक है। विदेशी विश्वविद्यालयों, बिट्स, पिलानी जैसे अनेक स्थानों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन परीक्षा होती है जिसमें बैठने के लिए विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार तिथि और समय चुन सकता है। प्रश्नपत्र स्वयं डाउनलोड करता है। ऐसी परीक्षा प्रणाली में पेपर लीक की संभावना स्वतः समाप्त हो जाती है। एन टी ए आदि संस्थाएँ इनसे कोई सीख क्यों नहीं लेतीं?

इस प्रकार की बढ़ती प्रक्रिया में कोई भी कोचिंग कुछ काम की नहीं रहेगी और सभी कोचिंग संस्थान महत्वहीन हो जाएंगे इसके फल स्वरुप कोई अभ्यार्थी ग्रामीण निर्धन परिवार का है अथवा शहर के सम्राट परिवार का है, दोनों के चयन के समान अवसर रहेंगे। वर्तमान समय में जो परिवार कोचिंग का बहुत अधिक भार नहीं वहन कर पाता वह एक प्रकार से प्रतियोगिता से बाहर ही हो जाता है।

किसी व्यक्ति को किसी भी विषय विशेष की जानकारी का सम्बंध उसके काम से नहीं हो तो उसे चयन का आधार बनाने से कोई लाभ नहीं है । हमने यह कई बार देखा है कि कई परीक्षाओं में टॉप करने वाले विद्यार्थी नितांत असफल प्रशासक सिद्ध होते हैं ।

तकनीकी और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश परीक्षाओं में भी पूर्ण बदलाव की आवश्यकता है। लाखों विद्यार्थीयों में से कुछ हज़ारों का चयन केवल 3 घंटे के मल्टीपल चोइस क्वेश्चन (एम सी क्यू) प्रश्नपत्र के आधार पर न केवल नितांत अनुचित है, यह तरीका गरीब छात्रों के चयन की संभावना ही समाप्त कर देता है, क्योंकि इसमें सफलता वही प्राप्त कर सकते हैं जो लाखों रुपये कोचिंग पर खर्च कर सकें। इस रकम का इंतजाम करने में गरीब घरों के खेत और माँ के गहने तक रखने पड़ जाते हैं। भर्ती परीक्षा में विषय की जानकारी के साथ अच्छे शिक्षक, डॉक्टर, इंजिनीयर के लिए आवश्यक चारित्रिक गुणों की पहचान करने का भी प्रयास होना चाहिए।

इन परीक्षाओं में सफल होने के लिए और अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए कोचिंग संस्थानों द्वारा इस प्रकार का माहौल बना दिया गया है कि बिना कोचिंग किए हुए इनमें सफल होना संभव ही नहीं है। इसका अर्थ यह हुआ कि न केवल हम गलत चयन करेंगे अपितु शिक्षण संस्थानों सेवाओं में ग्रामीण, निर्धन परिवारों के या साधारण विद्यालय से पढ़ने वाले विद्यार्थियो के चयन के मार्ग लगभग बंद कर देंगे । यही कारण है कि हम राजकीय सेवाओं की गुणवत्ता को बिल्कुल नहीं बनाए रख पा रहे हैं। एक समय था जब सरकारी विद्यालय से निकले हुए छात्र बड़ी संख्या में सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती हो जाते थे, क्योंकि तब कोचिंग माफिया विकसित नहीं हुआ था। यदि हम देश को अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था प्रदान करना चाहते हैं तो उसके लिए हमें पूरी चयन पद्धति को ही उपरोक्त अनुसार बदलना होगा।

लगभग इसी प्रकार की स्थिति उच्च शिक्षण संस्थान और अच्छे तकनीकी संस्थानों में प्रवेश के लिए है। शायद ही कोई ऐसा विद्यार्थी होगा जो किसी न किसी कोचिंग संस्थान में कोचिंग लिए बिना आईआईटी या किसी तकनीकी शिक्षा के लिए अच्छे संस्थान में प्रवेश हेतु परीक्षा में सफल हो सके। यही स्थिति मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा नीट की बन चुकी है। इस प्रकार की व्यवस्था के कारण आजकल सामान्य विद्यालयों और महाविद्यालय की पढ़ाई महत्वहीन हो कर रह गई है। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की गैर शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर से वंचित कर दिया गया है। जब 10-20 लाख विद्यार्थी किसी 3 घंटे की परीक्षा में बैठकर अपनी पात्रता इंजीनियरिंग महाविद्यालय अथवा मेडिकल विद्यालय में प्रवेश हेतु सिद्ध करेंगे तो इसमें बेईमानी एवं भ्रष्टाचार होना अवश्यंभावी है। यह भी उल्लेखनीय है कि सरकारी मेडिकल कॉलेज में वार्षिक फीस लगभग 10000 रुपए महीने है, वहीं निजी मेडिकल कॉलेज के लिए यही लगभग 20 लाख रुपये है। फीस में इतना अधिक अंतर होने के कारण ही कोई भी व्यक्ति जैसे-तैसे जुगाड़ करके 10-20 लाख रुपए किसी भी दलाल के माध्यम से देकर परीक्षा में अच्छी रैंक सुनिश्चित करना चाहता है, ताकि वह सरकारी कॉलेज में प्रवेश ले सके।

जो विद्यार्थी एक-सवा करोड़ देकर एमबीबीएस की परीक्षा पास करेगा और फिर बाद में दो -ढाई करोड़ व्यय करके एमडी, एमएस की परीक्षा पास करेगा, तो वह भला क्यों सरकारी नौकरी करके गरीबों की सेवा करने की सोचेगा? उसका पहला काम तो यही होगा कि वह पढ़ाई पूरी करते ही, सबसे पहले पढ़ाई पर खर्च किया गया पूरा पैसा सूद समेत मरीजों से वसूल करे। इस सबकी भरपाई गरीबों से ही तो होनी है । हमारी मेडिकल शिक्षा व्यवस्था, एक तरह से 'अमीरों की, अमीरों के द्वारा, अमीरों के लिए' बन कर रह गई है। क्या हम ऐसा ही समाज चाहते हैं जिसमें 10 प्रतिशत देशवासी सारी सुविधाओं का भोग करें और शेष न्यूनतम मूलभूत सुविधाएं प्राप्त करने से भी वंचित रहें?

हमारी चयन की सारी प्रणाली इतनी अधिक दोषपूर्ण हो चुकी है कि इस पर एक बार पुनर्विचार अत्यंत आवश्यक है। विदेशी विश्वविद्यालयों, बिट्स, पिलानी जैसे अनेक स्थानों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन परीक्षा होती है जिसमें बैठने के लिए विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार तिथि और समय चुन सकता है। प्रश्नपत्र स्वयं डाउनलोड करता है। ऐसी परीक्षा प्रणाली में पेपर लीक की संभावना स्वतः समाप्त हो जाती है। एन टी ए आदि संस्थाएँ इनसे कोई सीख क्यों नहीं लेतीं?

क्या सरकार अपनी हर स्तर की सेवा में संवेदनशील, ईमानदार, विश्लेषण करने की क्षमता रखने वाले अधिकारी वास्तव में चाहती है या नहीं? देश में विशेषज्ञों की कमी नहीं है। बस, आवश्यकता केवल इस तथ्य को स्वीकार करने की है कि हमें विभिन्न स्तरों पर चयन की वर्तमान प्रक्रिया को बिल्कुल बदलने की आवश्यकता है, ताकि किसी भी व्यक्ति के गुण एवं कौशल का मिलान संबंधित पद के लिए वांछित गुणों से हो सके। ऐसा होने पर ही अभ्यर्थी अपनी पसंद के अनुसार जीवन को बना सकेंगे और उसका पूरा लाभ भी समाज को मिल सकेगा।

यह सब चयन प्रक्रिया में आमूल चूल परिवर्तन के बिना सम्भव नहीं है। बस, केवल दृढ़ इच्छा शक्ति चाहिए क्योंकि हजारों करोड़ का कोचिंग माफिया इसका भारी विरोध करेगा। क्या नीति निर्धारकों में ऐसी इच्छा शक्ति है? इसका उत्तर तो भविष्य के गर्भ में है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

आपातकाल कालखंड का काला अध्याय

मिश्रीलाल पंवार

राजस्थान सरकार द्वारा मंगलवार, 25 जून को लोकतंत्र सेनानियों का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजन किया रहा है। यह समारोह मुख्यमंत्री निवास, 8, सिविल लाइन्स, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह को लेकर प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों में भारी उत्साह छाया हुआ है। पूरे राजस्थान के लोकतंत्र सेनानी बड़ी संख्या में समारोह में भाग लेने जयपुर पहुंचेगे।

25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का 21 महीने की अवधि में भारत आपातकाल की पीड़ा को झेला था। तत्कालीन राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की अनुच्छेद 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर दी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह सबसे विवादास्पद और अलोकतांत्रिक काल था। देश में आंतरिक गड़बड़ी की आशंका का बहाना बना कर आपातकाल घोषित करने का देश में ज़ोरदार विरोध हुआ था। इस दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध के साथ-साथ प्रेस पर भी सेंसरशिप लगा दी गई थी। इस घटना को भारत में लोकतंत्र के इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक माना जाता है। भारत में राष्ट्रीय आपातकाल 3 बार घोषित किया गया है - 1962 (चीन युद्ध), 1971 (पाकिस्तान युद्ध) और 1975 (आंतरिक अशांति)। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा तब की जा सकती है जब उन्हें आंतरिक और बाहरी स्त्रोतों से या संकट की वित्तीय स्थितियों से राष्ट्र को खतरा महसूस होता है। मगर तीसरा आपात काल तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हठधर्मिता की परिणति के कारण लगाया गया था। इस कालखंड में श्रीमती इंदिरा गांधी के अधिकांश राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया गया था और प्रेस को सेंसर कर दिया गया था।

दरअसल राजनारायण ने 1971 में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से इंदिरा गांधी के हाथों शिकस्त झेलने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी को लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए गलत तौर-तरीके अपनाने का दोषी पाया और उनका चुनाव 6 साल के लिए रद्द कर दिया। हालांकि, इंदिरा गांधी ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। शीर्ष अदालत ने 24 जून 1975 को हाईकोर्ट के आदेश को तो बरकरार रखा, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की इजाजत दे दी। इन्दिरा गांधी के कहने पर राष्ट्रपति ने दूसरे ही दिन इमरजेंसी लागू कर दी। इससे देश के जनमानस का आक्रोश उमड़ पड़ा। सरकार के फैसले का विरोध करने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया था। बताया जाता है कि उस दौरान करीब 1 लाख लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान देश अशांति की आग में झुलसता रहा।

करीब दो साल इंदिरा गांधी अपने विरोधियों को कुचलने में लगी रही। मगर विरोध की लहर तेज होती रही । आखिर एक दिन लोकसभा को भंग कर नए सिरे से चुनाव कराने की सिफारिश कर दी। हालांकि, यह फैसला उनकी पार्टी और उनके लिए घातक साबित हुआ। खुद इंदिरा को रायबरेली संसदीय क्षेत्र से हार का सामना करना पड़ा।

जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आई और मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री बने। वहीं, संसद में कांग्रेस सदस्यों की संख्या 50 से घटकर 153 हो गई। भारतीय राजनीति का यह महत्वपूर्ण समय था, क्योंकि 30 साल बाद देश में कोई गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। जो लोग इमरजेंसी के दौरान जेलों में ठूंस दिए गए, वहीं क्रान्तिकारी बाद में लोकतंत्र सेनानियों के रुप में पहचाने जाने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपने शासनकाल में लोकतंत्र सेनानियों के लिए मासिक पैंशन देने की शुरुआत की थी। गत कांग्रेस सरकार के सत्ता में आते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बदले की भावना से इनकी पैंशन बन्द कर दी। इस बार पुनः भाजपा की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री भजनलाल ने लोकतंत्र सेनानियों की पैंशन शुरू करने का कार्य सबसे पहले किया।

गौरतलब है कि लोकतंत्र सेनानियों के संगठनों द्वारा हर वर्ष 25 जून को काला दिवस मनाया जाता है। इस बार यह समारोह मुख्यमंत्री के आवास पर मनाया जा रहा है। इसमें प्रदेश भर के लोकतंत्र सैनानियों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।

लोकतंत्र रक्षा मंच के प्रांतीय महामंत्री देवराज बोहरा ने बताया कि आपातकाल के लगते ही लोगों पर ज़ुल्म होने शुरू हो गए। इससे जोधपुर भी अछूता नहीं रहा। मेरे पिताजी हीराचंद बोहरा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे। इसलिए मेरे पिता हीराचंद बोहरा को पुलिस मीसा में गिरफ्तार करने घर पहुंची लेकिन नाकाम रही। उस समय मेरे पास भारतीय जनसंघ युवा मोर्चा के प्रदेश का दायित्व था। इसलिए पुलिस से बचने के लिए मुझे भी घर से गायब होना पड़ा। इससे बाद पुलिस ने घरवालों को परेशान करना शुरू कर दिया। पुलिस ने तलाशी के बहाने परिवार के लोगों को प्रताडित करने लगे। उसी दौरान मेरे भाईयों को पुखराज व निर्मल को घसीटते हुए पुलिस थाने ले गई ओर उन्हे 15 दिनो तक प्रताडित किया। उनसे एक ही सवाल पूछा जाता कि आंदोलन से जुड़े पत्रक साइक्लोस्टाइल कहां होते है और तुम्हारे पिता और भाई इस वक्त कहां है। हम गुपचुप आन्दोलन कर लोगों को जागरूक करने में लगे रहे। आखिर एक दिन कटलाबाजार में देशभक्ति के नारे लगाने पर गिरफ्तार कर मारपीट के बाद सेन्ट्रल जेल भेज दिया गया। पिताजी के भूमिगत होने के कारण पुलिस ने घर की कुर्की करने नोटिस चिपका दिए। तब पिताजी जिला कलक्टर के समक्ष पेश हुए और उन्हें मीसा मेन्टीनेन्स आफ सिक्योरिटि एक्ट में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। 20 माह तक जेलों में हमें यातनाएं दी जाती रही।

बोहरा ने बताया आपातकाल लागू होने के विरोध में हुए देशव्यापी सत्याग्रह के तहत जोधपुर में कुल 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें राजेन्द्र गहलोत, रामनारायण विश्नोई, कर्नल मेघसिंह, रेवाचंद, दामोदर बंग, प्रो. शारदा शरणसिंह, आचार्य गिर्राजकिशोर, गुमानमल लोढ़ा, विज्ञान मोदी, ब्रह्मदेव बोड़ा, देवराज बोहरा, मोहम्मद अली, कांतिलाल जसमतिया, रणछोड़दास गट्टानी, कानराज मोहनोत आदि भी शामिल थे। आपातकाल हटाने के बाद जोधपुर जेल में बंद मीसा बंदियों को रिहा किया गया। बोहरा ने बताया कि आपातकाल के कालखंड को याद करके आज भी दिल दहल जाता है।

लोकतंत्र सेनानी कानराज मोहनोत ने अपनी व्यथा प्रकट करते बताया कि आपातकाल लागू होने की रात्रि के समय पकड़कर मुझे और मेरे भाई मानराज को जेल में डाल दिया गया। जेल में रहने के दौरान मेरी बहन की शादी थी तो जेल की दीवार फांद कर फरार होने में कामयाब रहा। बहन की शादी में बीरा सेवरा देने पहुंचना आवश्यक था। हालांकि विवाह पूर्ण होने के बाद जैसे-तैसे फिर से जेल में प्रवेश होने में भी सफल रहा। जैन चातुर्मास होने के कारण पयुर्षण पर्व रहने पर उपवास भी किए।

लोकतंत्र सैनानी जुगत तापड़िया ने बताया आपातकाल के समय मेरी उम्र मात्र सोलह वर्ष ही थी। मुझे अगस्त में मीसा एक्ट के तहत गिरफ्तार लिया गया था। जोधपुर में जेल में करीब 18 माह तक मुझे प्रो. शारदा शरणसिंह, प्रो. केदार, हीराचंद बोहरा, राजेन्द्र गहलोत, हीराचंद बोहरा, शंकरराज लोढ़ा, पूर्व मुख्यमंत्री हरिशंकर भाभड़ा सहित कई दिग्गज लोगों के साथ रहने का सौभाग्य मिला।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

लू लगना (हीट वेव या सन स्ट्रोक), बचाव, उपाय, रोकथाम व चिकित्सा

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना

जैसा कि वर्तमान में सर्व विदित है कि आजकल राजस्थान व पूरे देश-विदेश में गर्मी व सूर्य देव का प्रचंड प्रहार जनता झेल रही है, त्रस्त है व लू का प्रकोप, असर ठंडे व पहाड़ी क्षेत्र में भी अच्छी तरह यत्र-तत्र व सर्वत्र परिलक्षित हो रहा है।

स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर में वरिष्ठ होम्योपैथ व आचार्य, प्रोफेसर डॉ. राजीव सक्सेना ने लू लगने के कारण, निवारण, उपाय, बचाव तथा रोकथाम आदि के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की।

कारण व लक्षण :- शरीर में पानी की कमी होना या अत्यधिक गर्मी से निर्जलीकरण होने लग जाता है जो शरीर के आंतरिक अंगो को भी प्रभावित करता है, पसीना आना पूर्णतया बंद हो जाता है। वातावरण में आजकल गर्मी व सूर्य का तापमान 43 से 47 डिग्री सेल्सियस के आसपास व इसके उपर चल रहा है। फलस्वरूप शरीर में बांयटे आने लगते हैं, पेट में एंठन, उलटी - दस्त, सिर दर्द व बदन गर्म होना, काफी तेज ज्वर, पूरे शरीर में दर्द, चेहरे का लाल होना, रेशेज उत्पन्न होना, शरीर में भयंकर कमजोरी आना तथा पिड़ित रोगी बेहोशी की हालत में लसत-पस्त हो सकता है। इसमें शरीर का इम्यून तन्त्र बिगड़ जाता है व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है व मरीज की मृत्यु तक हो सकती है।

बचाव, उपाय व रोकथाम :- यथा संभव तेज धूप में ना निकलें व जाना जरूरी हो तो बदन को पूर्णतया सफेद, पीले या हल्के रंग के वस्त्रों से ढककर निकलें। छाता लेकर चलें। तेल, घी, चिकनाई युक्त भोजन, तला भुना व चटपटा व खट्टा खाने से बचें। बाजार की वातावरण में खुली चीजें नहीं खायें। छोटे बच्चे, वृद्ध, रक्तचाप व शर्करा रोगियों को अपना विशेष ध्यान रखना चाहिए। थोड़ी - 2 देर बाद भरपूर मात्रा में सादा या मटकी का पानी पियें ना कि फ्रिज का। छाछ, केरी का पना, नमक चीनी का घोल, सततू, नमकीन शिकंजी, नारियल का पानी, बील का शर्बत, ठंडाई दही, छाछ व ग्लूकोज़ आदि का सेवन करें। खाली पेट घर से नहीं निकलें। सवेरे - 2, हल्का व्यायाम व योग करें। उचित हल्का व मोटा अनाज खाने में लाएं जैसे खिचड़ी, दलिया, मूंग की दाल व रागी आदि का सेवन करें।

इलाज :- लू के रोगी को तुरंत ठंडी जगह पर लाएं, वस्त्र ढीले करें, शरीर पर तुरंत ठंडी पट्टियां रखें, ठंडी हवा, कूलर, पंखे ए. सी. आदि उपलब्ध करवायें। मरीज को आराम नहीं आता है तो तुरंत पास के योग्य चिकित्सक या अस्पताल में ले जाएं।

होम्योपैथिक चिकित्सा/इलाज :-

होम्योपैथिक में कयी दवाइयां हैं जो रोगी को लक्षणों के आधार पर दी जाती हैं, जैसे :-बेलेडोना, ग्लोनाइन, नेटरम कार्ब, फेरम फॉस, वेरेटरम विरिड, स्ट्रामोनियम, फाइव फॉस, नक्स वोमिका व ऑपियम आदि - आदि। मगर इनको सुयोग्य चिकित्सक की देख रेख में ही लेना चाहिए क्योंकि दवा की शक्ति, उसका प्रयोग व बारंबार डॉज लेने के बारे में उचित व पंजीकृत, योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक ही सही - 2 बता पाएगा।

-प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना,
वरिष्ठ होम्योपैथ व आचार्य,
स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक
मेडिकल कॉलेज एवं
रिसर्च सेंटर, जयपुर

"तरू अजमेर" से होगी पौधारोपण की मॉनिटरिंग

कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने "तरू अजमेर पोर्टल" का शुभारम्भ किया

अजमेर, (कासं)। जिला प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान विकसित विभिन्न पौधारोपण स्थलों की मॉनिटरिंग के लिए तरू अजमेर पोर्टल का नवाचार किया है। इसका शुभारम्भ सोमवार को जिला कलैक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने किया।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना ने बताया कि अजमेर की हरितिमा में वृद्धि के लिए जनभागीदारी के साथ जिला प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान बड़े स्तर पर लगभग 10 लाख पौधों का पौधारोपण किया जाएगा। इस दौरान विकसित पौधारोपण स्थलों की जीयोटेगिंग के साथ मॉनिटरिंग करने के लिए नवाचार किया गया है। प्रशासन ने तरू अजमेर पोर्टल तैयार किया है।

इसका शुभारम्भ जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित द्वारा किया गया है। तरू पेड़ का पर्यायवाची शब्द है। तरू (ट्री एक्रॉस रूरल एण्ड अर्बन) अजमेर जिले की समस्त प्लांटेसन साईट की मोनिटरिंग करेगा।

उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण कर अजमेर जिले के हरित आवरण को बढ़ाना है। अजमेर जिले के सभी अधिकारियों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, कर्मचारियों, नागरिकों, विद्यार्थियों एवं अन्य सभी से जल और वृक्ष की महत्ता को जानना चाहिए। जल संरक्षण करते हुए पौधों को पालने का संकल्प लें, ताकि वे बड़े वृक्षों में बदल जाए।

उन्होंने बताया कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। वे न केवल ऑक्सीजन का स्रोत हैं, बल्कि हमारे वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाते हैं। जिला परिषद, अजमेर से जुड़े सभी जनप्रतिनिधि सरपंच, वार्ड पंच एवं सभी आमजन वृक्षारोपण में अजमेर को एक नई पहचान देंगे।

■ जिला प्रशासन द्वारा मानसून के दौरान विकसित विभिन्न पौधारोपण स्थलों की मॉनिटरिंग के लिए तरू अजमेर पोर्टल का नवाचार किया गया है

इस पोर्टल से सभी सरकारी विभाग प्राइवेट एनजीओ एवं आम नागरिक भी स्वयं पंजीकरण करके वृक्षारोपण की अपनी साइट चुन सकते हैं और फोटो अपलोड कर सकते है। पोर्टल पर जिले की नर्सरियों तथा वहां उपलब्ध पौधों की किस्म और संख्या के साथ-साथ उनकी कीमत की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि पोर्टल को निर्मित करने में राजकीय अभियंत्रिक महाविद्यालय के सहायक आचार्य सत्यनारायण ताजी के साथ छात्र जातिन सोनी, धर्मवीर तुनवाल व हर्ष पांडे का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है।

उन्होंने बताया कि इस पोर्टल से सभी सरकारी विभाग, प्राइवेट संस्थान, एनजीओ, उद्यमी, एसोशिएशन एवं आम नागरिक भी स्वयं पंजीकरण करके अपनी पौधारोपण साइट चुन सकते हैं और फोटो अपलोड कर सकते है। जिले के समस्त राजकीय कार्यालयों के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्राम स्तर तक के कार्यालयों एवं संस्थानों के द्वारा विकसित की गई पौधारोपण साईट की मोनिटरिंग होगी। ग्राम पंचायत, विद्यालय से लेकर बडे कार्यालयों द्वारा पौधारोपण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति अपने नाम एवं मोबाईल नम्बर के साथ पंजीयन कर सकता है। पंजीयन के समय व्यक्ति को अपना यूजर आईडी एवं पासवर्ड स्वयं अपनी सुविधा के अनुसार फीड करना होगा। इसमें व्यक्ति अपने अथवा समूह द्वारा विकसित पौधारोपण साईट की जानकारी अपलोड कर सकता है। नर्सरी की लोकेशन भी डाली जाएगी। सीएसआर के माध्यम से सहयोग करने वाले व्यक्ति एवं संस्थाएं भी अपना पंजीयन करवा सकते है। जनभागीदारी एवं सीएसआर के लिए जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित द्वारा बैठक भी ली गई।

राशिफल मंगलवार 25 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, श्रवण नक्षत्र दिन 2:33 तक, वैधृति योग प्रातः 9:05 तक, बव करण दिन 12:18 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:49 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बुध उदय पश्चिम में रात्रि 4:11 पर होगा। आज अंगारक चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:31 पर होगा। आज वैधृति पुण्य है। पंचक रात्रि 1:49 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:03 से 10:46 तक, लाभ-अमृत 10:46 से 2:12 तक, शुभ 3:54 से 5:37 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। नवीन व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

मीन
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सार-समाचार

एसडीएम कार्यालय का किया घेराव

रतनगढ़, (निसं)। अखिल भारतीय किसान सभा इकाई रतनगढ़ द्वारा बिजली ,पानी और बीमा क्लेम से संबंधित मुद्दों को लेकर मदनलाल जाखड़ के नेतृत्व में किसान मजदूर भवन से एसडीएम कार्यालय तक रैली निकालकर कार्यालय का घेराव किया। संयोजक भादर भा सचिव बिरजुराम खीचड़,उपाध्यक्ष नौरंग सारण,रतनलाल बिजारनिया,रामकिशन भामू,मान नाथ,अनिल स्वामी ने बताया कि 2023 खरीफ और रबी का बकाया बीमा क्लेम शीघ्र जारी करने,ट्रांसफर जलने पर 24 घंटे में नया ट्रांसफर देने,स्वीकृत किए गए ट्रांसफर तुरंत जारी कर तय स्थानों पर रखवाए जाने,किसानों के घरों के पट्टे जारी करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसानों में गहरा आक्रोश है। धरने के दौरान एसडीएम अमित कुमार द्वारा वार्ता का न्योता देने पर किसान सभा के प्रतिनिधिमंडल की उपखंड अधिकारी रतनगढ़,बिजली विभाग के एक्सईएन,सहायक कृषि अधिकारी जेपी यादव के साथ वार्ता हुई। वार्ता में अनेक मांगो पर सहमती बनी। इस अवसर पर सीताराम झाझड़िया, हड़माना राम, गोपाला राम घेतरवाल, सोहन राम, किसान सिंह , इंद्र नाथ, नौरंग राम सीलू, भागीरथ सिंह , मोहन , जगदीश , रतनाराम, पत्राराम, मान नाथ, ओमप्रकाश, सोहन राम कड़वासरा हेतराम, संतलाल,गोमाराम, रामुराम कलवानिया, कानाराम, कुंभाराम, हरिराम खीचड़ सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया

पाटन, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड पर स्थित सार्वजनिक कबीर आश्रम में निर्माणधीन मकान को वन विभाग द्वारा अनाधिकृत ढंग से ध्वस्त करने पर डाबला रोड निवासियों ने वन विभाग की कार्यशैली का विरोध करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है, तथा विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। कबीर आश्रम के मंहत धन्ना दास महाराज ने बताया कि आश्रम में निर्माणधीन मकान को वन विभाग पाटन द्वारा अनाधिकृत ढंग से ध्वस्त कर दिया गया है, जबकि कबीर आश्रम 70 वर्षों से चल रहा है। क्षेत्र एवं ग्रामवासियों की आस्था का केंद्र है। मंदिर के निर्माणधीन परिसर में मकान कार्य प्रगति पर था परंतु वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा बिगर सूचित किये ही मकान को ध्वस्त कर दियाइस आश्रम के प्रति आसपास के लोगों की आस्था भी जुड़ी हुई है। वन विभाग द्वारा इस कार्यवाही से समस्त ग्रामवासी काफी आक्रोशित और दुखी है।

जीएनएम द्वितीय वर्ष परीक्षा 25 जून से

चूरू, (कास.)। रजिस्ट्रार राजस्थान नर्सिंग काउन्सिल, जयपुर के आदेश की अनुपालना में जीएनएम द्वितीय वर्ष मुख्य परीक्षा जून 2024 का आयोजन 25 से 28 जून दोपहर 3 से शाम छह बजे तक चूरू बालिका महाविद्यालयए पुरानी सड़क चूरू में किया जाएगा। परीक्षा अधीक्षक बजरंग कुमार हर्षवाल ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा समय से 1 घण्टे पूर्व पहुंचना अनिवार्य है। परीक्षार्थी राजस्थान नर्सिंग कौंसिल द्वारा जारी एवं संस्था प्रधान द्वारा प्रमाणित परीक्षा अनुमति पत्र अपने संस्थान का परिचय पत्र एवं फोटो युक्त आई डी एवं निर्धारित पूर्ण गणवेश में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। जिले के नर्सिंग स्कूलों से लगभग 365 प्रशिक्षणार्थी परीक्षा में शामिल होंगी। परीक्षा के दौरान आरएनसी की तरफ से ऑब्जर्व पर्यवेक्षक एवं उड़नदस्ते की व्यवस्था भी की गई है।

ट्रक में युवक को जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोपी को भेजा जेल

ऑनलाइन जुआ सट्टा में लाखों का कर्जवान है गिरफ्तार आरोपी

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 सादुलपुर चूरू पर एक पखवाडे से भी अधिक समय पहले एक ट्रक में अधजली हालात में मिले अज्ञात शव के मामले में दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर चल रहे आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अनुसंधान अधिकारी प्रशांत किरण आईपीएस ने बताया कि दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर चल रहे आरोपी राजेश कुमार

- बीमा क्लेम लेने के चक्कर में आरोपी ने अपने आप को मरा हुआ दिखाने के चक्कर में मजदूर दिनेश उर्फ देशी को जिंदा जलाकर की थी हत्या

एनएच 52 बाईपास सादुलपुर पर ट्रक में जिंदा जलाकर हत्या करने के आरोप में जेल भेजा गया आरोपी राजेश कुमार।

पुत्र कृष्ण कुमार जाट उम्र 31 साल निवासी वार्ड नंबर ०1 बरवाला जिला हिसार हरियाणा को सोमवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि गिरफ्तार आरोपी राजेश कुमार ऑनलाइन जुआ सट्टा खेलकर लाखों की संपत्ति के कर्ज में डूब जाने के कारण देनदारों द्वारा आए दिन पैसे मांगने के चलते अपने पड़ोस में हुई ऐसी घटना से प्रेरित होकर बीमा कंपनी से क्लेम लेने के लिए दिनेश उर्फ देशी मजदूर को जिंदा जलाकर हत्या की थी तथा बाद में फरार हो गया।

गिरफ्तार शातिर आरोपी राजेश कुमार ने बीमा क्लेम लेने के चक्कर में दिनेश उर्फ देशी की जगह खुद को ट्रक में जलाकर अपने आप को मरा हुआ दिखाना चाह रहा था। आईपीएस प्रशांत किरण बताया कि आरोपी राजेश कुमार द्वारा मृतक दिनेश उर्फ देशी को दिनांक ०6 जून 2०24 की रात्रि 9.०० बजे हिसार बरवाला से अपने ट्रक में मजदूरी के बहाने अपने साथ बैठाकर रवाना हुआ था। रास्ते में आरोपी राजेश कुमार ने मृतक दिनेश उर्फ देशी को शराब पिलाई तथा मृतक दिनेश उर्फ देशी शराब के नशे में ट्रक में ही सो गया। तथा दिनांक 7 जून 2024 के सुबह करीब 4.00 बजे हिसार बाईपास राजगढ़ के पास पहुंचकर आरोपी राजेश ने ट्रक को रोड के साइड में खडा कर ट्रक के केबिन में पेट्रोल छिडक कर आग लगा दी। तथा केबिन को बाहर से लोक कर दिया। जिसके कारण मजदूर दिनेश उर्फ देशी जिंदा जलकर मौत के मुंह में समा गया। गौरतलब है कि 9 जून 2024 को मृतक दिनेश उर्फ देशी के बडे भाई ओमप्रकाश निवासी वार्ड नंबर ०4 बरवाला जिला हिसार हरियाणा ने हत्या का आरोप लगाकर मामला दर्ज करवाया था।

सार-समाचार

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के विजन हरित राजस्थान को साकार करने के उद्देश्य से हरित सीकर एक जन अभियान बनाने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चत करने के लिए प्रत्येक विभागीय अधिकारी स्वयं व अधीनस्थ कार्मिकों से एक-एक पौधा जरूर लगवायें। जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पीने के पानी की आपूर्ति, गुणवत्ता, टेंकर से पेयजल परिवहन, पाईप लाईन बदलने सहित अन्य आवश्यकताओं पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही करने की बात कही। जलदाय विभाग पेयजल के स्थाई समाधान तथा भविष्य में कोन-कोन सी समस्याएं आ सकती है, उस पर योजना बनाकर कार्य करें।

सम्मान समारोह आयोजित

सीकर, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में आज पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर में 17 मई से 23 जून तक आयोजित जिला स्तरीय कौशल विकास अभिरुचि, हस्तकला लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविर का मुख्य एवं सम्मान समारोह दर्शन दिवस कार्यक्रम झाबर सिंह खर्रा नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री, राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य, उमर उल जमान जिला कलेक्टर सीकर, शीशराम कुल्हारी जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा सीकर, तेज प्रकाश सैनी संवाददाता राष्ट्रदूत एवं भाजपा नेता, कमल सिखवाल शिक्षाविद एवं अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सीकर, सुनीता पांडे प्राचार्य राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय सीकर, राकेश गढ़वाल सहायक निदेशक समसा, सीकर, सीमा चौधरी वरिष्ठ जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा सीकर, इंदिरा शर्मा सहायक निदेशक प्रशासनिक सुधार विभाग सीकर , राजेंद्र प्रसाद मिल सहायक जिला कमिश्नर स्काउट, मालचंद भास्कर पूर्व प्रभारी कमिश्नर के आतिथ्य में आयोजित किया गया।

नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर कल

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट स्व0 मदनलाल व स्व0 कमला देवी तापड़िया की स्मृति में उनके पुत्र मन्नालाल एवं पौत्र दिनेश, मनोज व हेमन्त द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन 26 जून बुधवार को महेश्वरी भवन, रामचंद्र पार्क के पास होगा। शिविर का समय प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखा गया है। शिविर में मरीजों की निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व आधुनिक तकनीक द्वारा जांचकर ऑपरेशन जयपुर ले जाकर किया जाएगा। मरीज को अपने साथ आधार कार्ड की दो फोटो प्रति व मोबाइल नंबर दे कर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में सभी प्रकार की व्यवस्थाएं पूर्णता निःशुल्क रहेगी।

विकास कार्यों के बजट की मांग

सूरजगढ़, (निसं)। चेयरमैन पुष्पा गुप्ता के प्रतिनिधि के रूप में सेवाराम गुप्ता, भूवनेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर बजट में महाविद्यालय निर्माण बजट, पार्क, सूरजगढ़ बाईपास, गंगानगर से भरतपुर को वाया पिलानी सूरजगढ़ होते हुए एक्सप्रेस वे बनाने, सूरजगढ़ में रोडवेज बसों को पुन: चालू करने, सूरजगढ़ में सिवरेज लाइन निर्माण हेतु स्वीकृति, सूरजगढ़ नगरपालिका को नगर निकाय विशेष दर्जा योजना में शामिल करने की मांग रखी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल्द ही मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त

चूरू, (कास.)। चूरू नगर परिषद के वार्ड 11, चूरू पंचायत समिति के ब्लॉक 8 तथा राजगढ़ पंचायत समिति के ब्लॉक 13 के सदस्यों के रिक्त पदों पर हो रहे उप चुनाव अंतर्गत 30 जून को होने वाले मतदान के लिए जोनल मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पुष्पा सत्यानी की ओर से जारी आदेश के अनुसार चूरू तहसीलदार को नगर परिषद चूरू के वार्ड 11, रतनगढ़ तहसीलदार को चूरू पंचायत समिति के ब्लॉक 8 के लिए तथा राजगढ़ तहसीलदार को पंचायत समिति राजगढ़ के ब्लॉक संख्या 13 के लिए मतदान दिवस को शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

संगोष्ठी 27 जून को

चूरू, (कास.)। एक जुलाई 2024 से प्रभावी होने जा रही भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रावधानों को आमजन तक पहुंचाए जाने के लिए 27 जून को 3 बजे जिला परिषद सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

बैल्ट टेस्ट का आयोजन

झुंझुनू, (निसं)। आरएमए एंड स्पोर्ट्स अकादमी पिलानी व एशियन शिटो आरयू स्पोर्टस कराटे डू एसोसिएशन राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। अकादमी निदेशक कराटे कोच जोनी महेश स्वामी ने बताया कि एशियन शिटो आरयू स्पोर्ट्स कराटे डू एसोसिएशन राजस्थान द्वारा कलर बेल्ट व ब्लैक बेल्ट का आयोजन श्रीमती जमुना मिश्रा अकेडमी स्कूल पिलानी प्लेग्राउंड में दो पारियों में किया गया।

'प्रत्येक विभागीय अधिकारी स्वयं व अधीनस्थ कार्मिकों से एक पौधा जरूर लगवायें'

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के विजन हरित राजस्थान को साकार करने के उद्देश्य से हरित सीकर एक जन अभियान बनाने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चत करने के लिए प्रत्येक विभागीय अधिकारी स्वयं व अधीनस्थ कार्मिकों से एककृएक पौधा जरूर लगवायें।

जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पीने के पानी की आपूर्ति, गुणवत्ताए टेंकर से पेयजल परिवहनए पाईप लाईन बदलने सहित अन्य आवश्यकताओं पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही करने की बात कही। जलदाय विभाग पेयजल के स्थाई समाधान तथा भविष्य में कोनकृकोन सी समस्याएं आ सकती हैए उस पर योजना बनाकर कार्य करें। जिला कलेक्टर चौधरी ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को निर्देश दिए कि पेंशनरों के भौतिक सत्यापन का कार्य जल्द पूरा करें। उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया आगंनबाडी केन्द्रों में पेयजल कनेक्शन निर्माण नहीं है।

एक माह बाद भी क्षतिग्रस्त सीवरेज लाइन दुरुस्त नहीं हुई

चूरू, (का.सं.)। नगर परिषद की लापरवाही की इस कदर हद हो गयी कि एक माह गुजरने के बाद भी सीवरेज पाइप को ठीक नहीं करवा पाई है, जिससे आमजन में नगर परिषद की कार्यशैली को लेकर खासा नाराजगी देखने को मिल रही है।

- पार्षद से लेकर आयुक्त तक को अगवत करवाने के बाद भी नहीं हुआ समस्या का समाधान
- सीवरेज टूटने से नाला हुआ अवरुद्ध होने से आमजन परेशान

मिली जानकारी के अनुसार शहर के धोबी चौराहा, लीलगर मस्जिद व तेलियान मस्जिद के पास करीब एक महीने से सीवरेज व ड्रैनेज की पाइप लाइन टूटने से नाला अवरूद्ध हो गया। जिससे नाले का सारा गंदा पानी सड़क के चारों ओर फैल गया। जिससे आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने इस समस्या को लेकर पार्षद से लेकर आयुक्त तक अवगत करवा दिया, लेकिन नगर परिषद् ने जेटिंग मशीन व पीटीओ लगा कर अपना पल्ला झाड़ लिया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। पार्षद ईस्माइल भाटी ने बताया कि गंदे पानी का चैम्बर चैक करने नगर परिषद् के कर्मचारी आये थे। इस दौरान जेसीबी से सीवरेज लाइन पर लगी पट्टियां टूट गई, जिसके कारण वार्ड 7, 9 व 10 के लोगों के घरों में सीवरेज का गंदा पानी घुस गया। घरों में गंदा पानी घुस जाने से पूरे घरों का वातावरण दूषित हो गया। ऐसे माहौल में घरों में रह पाना भी मुश्किल हो गया है। इससे वार्डवासियों का जीना दूभर हो रहा है। वार्ड के लोग इस समस्या को लेकर नगर परिषद् सभापति व आयुक्त से भी मिले लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। चैम्बर का गंदा पानी मस्जिद के चारों ओर एकत्रित हो जाने से मस्जिद में नमाज पढ़ने आने वाले लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है।

वार्ड 10 के इमरान चौहान ने बताया कि अगर जल्द ही इस समस्या का कोई स्थाई समाधान नहीं हुआ, तो वार्ड के लोग मजबूरन आंदोलन पर उतरेंगे। इस गंदे पानी के कारण वार्ड में मच्छरों का भी आतंक फैल गया है। इसी के साथ अब बारिश का मौसम भी आरंभ हो गया। जिससे मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका प्रबल हो जायेगी।

कंपनी के कर्मचारी सरकारी मापदंडों की उड़ा रहे हैं धज्जियां

चूरू, (कास.)। प्रदेश में जहां पर लंबे समय से विद्युत संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार ने टेण्डर के माध्यम विद्युत समस्याओं के समाधान करने के लिए प्राइवेट कंपनियों को काम दे रखा है। वहीं दूसरी ओर प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी अपनी मन.मानी करने पर उतारू हो गए है।

जानकारी के अनुसार चूरू शहर में विद्युत रखरखाव के लिए गुरुग्राम की संध्या प्राइवेट कंपनी को काम सौंपा हुआ है। जिसके कर्मचारी अपनी मनमानी हरकतें करने पर उतारू हो गए है। सोमवार को लोहिया कॉलेज के पीछे काम करने के दौरान न तो कंपनी के कर्मचारी सुरक्षा गाइड लाइन का पालन कर रहे हैं और न ही समय पर उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान कर पा रहे है। आमजन से मिली जानकारी के अनुसार शहर में भी विभिन्न स्थानों पर कंपनी के कर्मचारी बिना सुरक्षा के मापदंडो को ध्यान में रखकर बिजली का काम कर रहे है। लोहिया कॉलेज के समीप स्थित ट्रांसफार्मर में काम करने के दौरान कंपनी का कर्मचारी से जब जागरूक नागरिक ने सुरक्षा मापदंडो को ध्यान में रखने के लिए कहा तो कर्मचारी ने कहा कि हमारी मर्जी होगी वैसे काम करेंगे। हालांकि यहां यह सोचने का विषय है कि अगर इस दौरान किसी प्रकार का हादसा होगा तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। लोगों ने बताया कि अगर किसी भी प्रकार का हादसा हो जाता है तो लोग सरकार के पीछे पड़ जाती हैं जबकि यहां पर कर्मचारी कहने के बावजूद भी सुरक्षा मापदंडो का ध्यान में रख रहे हैं। वहीं आमजन संध्या प्राइवेट कंपनी की सेवाओं से संतुष्ट नहीं दिखाई दे रही है।

वहीं दूसरी ओर प्रचंड गर्मी पड़ने से जहां शहर की जनता परेशान हैं। वहीं पर विभाग द्वारा संध्या प्राइवेट कंपनी के कर्मचारियों के कछुआ चाल से काम करने के कारण आम जनता को 12 घंटे तक बिजली के बिना समय बिताना पड़ रहा है। जानकारों ने बताया कि कंपनी के कर्मचारी काम पूरा न कर आधा अधूरा काम करने पर विश्वास करते हैं। इस कारण से बार.बार शहर में बिजली की समस्या बनी हुई हैं। इसी के साथ सरकारी मापदंडो की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

जहां एक ओर किसी भी प्रकार का हादसा होने पर लोग सरकारी तंत्र को कोसना शुरू कर देते हैं। वहीं चर्चा हैं कि कर्मचारी खुद लापरवाह होकर काम कर रहे हैं तो हादसा होने पर जिम्मेदारी किसकी होंगी। इस संबंध में लोगों ने बताया कि कर्मचारियों द्वारा सरकारी अधिकारियों के आदेशों की भी पालना भी नहीं दिख रही है। वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों के रवैये के कारण कंपनी की साख भी दाव पर लग रही है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की जनसुनवाई

सीकर, (निसं)। जिला भाजपा कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में जिलाध्यक्ष डॉ. कमल सिखवाल व पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने आमजन की समस्याओं को सुना व उनका निस्तारण भी करवाया। सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक की गई जनसुनवाई में आमजन ने अपनी समस्याओं के बारे में नेताओं को अवगत कराया। जनसुनवाई में समस्याएं जानने के बाद अधिकारियों को मौके पर ही उन समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष डॉ. सिखवाल व पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद ने समस्याओं के निस्तारण करने की अनुशंषा संबंधित अधिकारियों को की। इन समस्याओं का शीघ्र ही निस्तारण कर उन्हें अवगत करवाए। जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर ने बताया कि जनसुनवाई में आए आमजन ने भाजपा के ऐसे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं के बारे में जानने का प्रयास करते हुए इनका निराकरण भी पार्टी की ओर से किया गया है।

सुंडा को मिली जिम्मेदारी

झुंझुनूं। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा द्वारा पार्टी संगठन की मजबूती के लिए समन्वय समिति का गठन किया। जिसमें झुंझुनूं विधानसभा में चुनाव के लिए झुंझुनूं सांसद बृजेंद्र ओला को झुंझुनूं चुनाव की जिम्मेदारी दी।

नाम परिवर्तन

मैं राजेश कुमार पुत्र श्री किशना राम आर्मी नं. 3195846F रैंक हवलदार निवासी खारिया पोस्ट कालानाताल तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) हूं, जो शपथपूर्वक ब्यान करता हूं कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम DEVENDER दर्ज हो गया, जो गलत है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में सही व सत्य नाम DEVENDRA है। अब मैं मेरे पुत्र का नाम अपने सर्विस रिकॉर्ड में सही करवाकर DEVENDER के स्थान पर DEVENDRA करवाना चाहता हूं, जो किया जावे।

शपथग्रहिता-राजेश कुमार

नाम व जन्मतिथि परिवर्तन

मैं राजेश कुमार पुत्र श्री किशना राम आर्मी नं. 3195846F रैंक हवलदार निवासी खारिया पोस्ट कालानाताल तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) का हूं, जो शपथपूर्वक ब्यान करता हूं कि मेरे आर्मी रिकॉर्ड में मेरी माता नाम BALI DEVI व जन्मतिथि 01.07.1962 दर्ज हो गया, जो गलत है। जबकि मेरी माता के आधार कार्ड व पैन कार्ड में सही व सत्य नाम BALI व जन्मतिथि 02.01.1953 है। अब मैं मेरी माता का नाम अपने सर्विस रिकॉर्ड में सही करवाकर BALI DEVI के स्थान पर BALI तथा जन्मतिथि 01.07.1962 के स्थान पर जन्मतिथि 02.01.1953 करवाना चाहता हूं, जो किया जावे। शपथग्रहिता-राजेश कुमार

'झुंझुनूं की मिट्टी माथे पर लगाने मात्र से भी वीरता का भाव पैदा होता है'

झुंझुनूं, (निसं)। आगामी 27 जून को झुंझुनूं में होने वाली मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सभा की पूर्व तैयारियों को लेकर झुंझुनूं प्रवास पर आए सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री राजस्थान सरकार एव ज़िले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने पीरू सिंह सर्किल स्थित एक निजी रेस्टोरेंट सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की प्रमुख कार्यकर्ता बैठक में

- झुंझुनूं ज़िले में 800 से भी ज़्यादा वीर शहीद हुए है जो दूसरे किसी राज्य से भी अधिक है

कमलकांत शर्मा की अगुवाई में भाजपा नगर मंडल कार्यकर्ताओं ने किया प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत का स्वागत

बोलते हुए कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि शेखावटी की धारती सैनिकों व वीरो की धरा है। यहाँ स्वतंत्रता के बाद से आज तक 800 से भी अधिक वीर सैनिक शहीद हुए है जिन्होंने माँ भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया जो संख्या दूसरे किन्ही राज्यों से भी अधिक है। यहाँ की मिट्टी बलिदानी है जिसे माथे पर लगाने मात्र से ही वीरता का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि जिले में पेंशन समाज के दो लाख बहत्तर हजार एक सौ उन्नीस लाभार्थी है जिन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उस पेंशन को एक हजार से 15 प्रतिशत बढ़ाकर 1150 रुपये किया है। उन्होंने आगामी 27 जून को शहर के केशव आदर्श विद्या मंदिर खेल प्रांगण में होने वाली मुख्यमंत्री की सभा के लिए झुंझुनूँ जिले की सातों विधानसभा के प्रत्याशियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को लक्ष्य दिया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की डबल इंजन सरकार लगातार सभी वर्गों के हित में जनहितार्थ कार्य कर रही है। अपराधों पर अंकुश लगा है। पेपर माफिया, साईबर ठगी सहित सभी अपराधियों पर लगाम कसने का कार्य हुआ है। महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री की सभा के लिए कार्यकर्ताओं के विचार भी लिए। इनके अलावा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, ज़िलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, ज़िला संगठन प्रभारी केडी बाबर, विधायक विक्रम जाखल, धर्मपाल गुर्जर, ज़िला प्रमुख हर्षिनी कुल्हारी, पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, सुभाष पुनिया, पूर्व ज़िलाध्यक्ष पवन मावंडिया, जगदीश सिंह, राजेश चौधरी, ज़िला उपप्रमुख कांसपुरिया, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पुनिया, विधानसभा प्रत्याशी निशित बबलू चौधरी, राजेश दहिया ने भी अपने विचार रखें। ज़िला महामंत्री सरजीत चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि धन्यवाद ज़िला महामंत्री योगेन्द्र मिश्रा ने दिया। इस मौके पर भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विकास शर्मा लोटिया, उपजिलाप्रमुख सतवीर गुर्जर, ज़िला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, राकेश शर्मा, मदन सैनी, रमनिरंजन पुरोहित,सुनील लांबा, शेर सिंह निर्वान, ज़िला मंत्री मंजु सैनी, सुनीता स्वामी, महावीर ढाका,कुबेर सिंह, भवानी शंकर शर्मा, बगड़ चेयरमैन गोविंद सिंह राठौड़,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रतन सिंह तंवर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज स्योरन आदि मौजूद रहे।

नीट घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग

पाटन, (निसं)।नीमकाथाना यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष लोकेश मीणा के नेतृत्व में सोमवार को नीमकाथाना यूथ कांग्रेस के सैकड़ों युवाओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर नीमकाथाना जिला कलेक्टर को नीट परीक्षा दुबारा करने के साथ ही नीट घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग की।नीट परीक्षा में धांधली को लेकर आए दिन खुलासे हो रहे हैं,तथा गिरफ्तार अभियार्थी एक दिन पहले ही पेपर आउट होने की बात स्वीकार कर रहे है।

एडवोकेट अनिल काजला ने कहा देशभर में एनटीए की ओर से पांच मई 2024 को नीट की परीक्षा आयोजित की गई थी तथा नीट का परिणाम 14 जून को जारी किया जाना था, लेकिन लोकसभा चुनावों की मतगणना के दिन चार जून को ही जारी कर दिया गया। इन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा में बड़े स्तर पर धांधली हुई है ,नीट परीक्षा में धांधली होने से मजदूर, गरीब, किसान के बच्चो पर गहरा प्रभाव पड़ा है ।यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मीणा ने कहा कि नीट परीक्षा में अपने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए ही बड़े स्तर पर धांधली हुई है। सरकार को इस पर गहनता से विचार विमर्श करना चाहिए और सख्त नियम बनाने चाहिए ताकि आगे से कोई भी पेपर लीक ना हो। इस दौरान विरोध प्रदर्शन में यूथ कांग्रेस प्रवक्ता श्रीराम गुर्जर,यूथ कांग्रेस जिला महासचिव एड. अनिल काजला, पुष्पेंद्र मीणा, विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्र दिवाच, कमलेश लाका, राजेश बाजिया, सुनील डांडिया, देवेन्द्र बिजारणिया आदि सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

'नए सत्र में नए जोश व जूनून से करें काम'

शिक्षा विभाग के मंडावा ब्लॉक की मासिक निष्पादन समिति की बैठक तहसील सभागार में आयोजित की गई।

झुंझुनू, (निसं)। शिक्षा विभाग के मंडावा ब्लॉक की मासिक निष्पादन समिति की बैठक सोमवार को तहसील सभागार में आयोजित की गई। समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयदीप झाझड़िया ने एजेंडा के प्रत्येक बिंदू पर विस्तृत समीक्षा करते हुए नए सत्र के लिए पूरे जोश और जूनुन से जुड़ जाने के निर्देश दिए।

ब्लॉक के सभी प्रधानाचार्यों की उपस्थिति में गत सत्र के बोर्ड परीक्षा परिणाम की समीक्षा की गई तथा सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले संस्था प्रधानों का सम्मान भी किया गया। जिला प्रतिनिधि के रूप में एडीपीसी कार्यालय से एपीसी कमलेश तेतरवाल मीटिंग में उपस्थित रहे। उन्होंने यू डाइस के कार्य को लगभग पूरा करने के लिए सभी सीबीईओ ऑफिस व पीईओ को धन्यवाद देते हुए शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए तथा उसके बारे में आवश्यक तकनीकी जानकारी दी। इसके अलावा भामाशाहों से जन सहयोग, पौधारोपण व प्रवेश उत्सव के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। सीबीईओ झाझड़िया ने श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने वाले संस्था प्रधानों को बधाई दी। लेकिन उन पीईओ को भी सावधान किया। जिनके यहां विद्यालयों में बहुत कम नामांकन है। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर ऐसे विद्यालयों के संस्था प्रधानों को नोटिस दिए गए है। संबंधित पीईओ अपनी स्पष्ट टिप्पणी के साथ उन नोटिस का जवाब भिजवाएंगे। वरना पीईओ जिम्मेदार होंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कम नामांकन होने के बावजूद भी हमारे बच्चों का लर्निग लेवल इतना कमजोर क्यों है। यह विचारणीय विषय है। एक बार प्रवेश लेने के बाद यदि विद्यार्थी विद्यालय में नियमित नहीं आता है तो निश्चित रूप से हम उसके लिए जिम्मेदार है।

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

माननीय जिला न्यायाधीश महोदय, स्थान चूरू (राज.)

अशोक कुमार विरुद्ध सर्वसाधारण आदि वाद/प्रार्थना पत्र उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु

प्रार्थना-पत्र संख्या - 13सन् 2024

नाम सर्वसाधारण पुत्र....जाति.....पता....

उक्त याचि ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि क्यों न याचि की याचिका स्वीकार कर ली जावे।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 03 माह 07 सन् 2024 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से कर दिया जाएगा।

यह आज दिनांक 12 माह 06 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से-वरिष्ठ मुन्सरीम जिला एवं सैशन न्यायालय, चूरू

8.74 करोड़ रुपये की सफेद चंदन की लकड़ियों से भरा मिनी ट्रक पकड़ा

पुलिस ने तीन जनों को पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड़ दिया, पुलिस जांच में जुट गई है

निवाई, (निसं)। बरौनी पुलिस ने 5 हजार 300 किलो सफेद चंदन की लकड़ियों से भरे मिनी ट्रक को जब्त कर वन अधिनियम और धारा 420 के अन्तर्गत मामला दर्ज किया है। जब्त चंदन की लकड़ी कीमत 8 करोड़ 74 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है।

बरौनी थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि गुजरात के मेहसाणा से मिनी ट्रक में सफेद चंदन की लकड़ी भरकर उत्तरप्रदेश के कन्नौज लेकर जा रहे थे। ट्रक को नाकाबंदी के दौरान रुकवाया गया और चंदन की लकड़ी लेकर जा रहे नितेश आदिवासी, जयपाल आदिवासी और ट्रक चालक देवेश कुमार से पूछताछ की गई। लकड़ी का अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य 16 हजार 500 रुपए प्रति किलो है, जिससे जब्त चंदन की कीमत 8 करोड़ 74 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। जब्त चंदन को ट्रक से उतारकर थाने में सुरक्षित रखवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने नितेश, जयपाल और देवेश कुमार को पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड दिया गया है। पुलिस जांच में जुट गई है। जांच में पुलिस वन विभाग और जीएसटी विभाग के अधिकारियों से विभिन्न प्रकार की जानकारी भी ले रही है। सफेद चंदन की लकडियों से भरे ट्रक को जब्त करने के मामले में पुलिस के आलाधिकारी भी नजर बनाए हुए हैं। बरोनी थाना पुलिस की सूचना पर मानपुरा थाने में भी जब्त चंदन से भरे एक ट्रक को पकडा है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार जांच कर मामले के खुलासे के प्रयास में लगी है।

- गुजरात के मेहसाणा से मिनी ट्रक में सफेद चंदन की लकड़ी भरकर उत्तरप्रदेश के कन्नौज लेकर जा रहे थे

बरौनी पुलिस थाने में जब्त चंदन की लकड़ियों से भरा हुआ मिनी ट्रक।

प्रवेश पत्र 27 जून को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता-यांत्रिकी (भू-जल विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 का आयोजन 30 जून को सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक अजमेर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। परीक्षा में ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक के पाँचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर 27 जून को जारी किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथा शीघ्र प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अत: अभ्यर्थी परीक्षा के दिन परीक्षा प्रारंभ होने के लिए नियत समय से पर्याप्त समय पूर्व परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक रूप से उपस्थित हो जाएं ताकि सुरक्षा जांच एवं पहचान का कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

महिला ने पीहर में फांसी लगाकर आत्महत्या की

चिड़ावा, (निसं)। शहर के विकास नगर स्थित वार्ड 32 निवासी एक महिला ने अपने पीहर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल लाया गया। डॉक्टर्स ने महिला को मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखा गया, जिसका मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार पूजा की मां राजेश देवी ने रिपोर्ट दी है कि उसकी बेटी पूजा पुत्री बलवीर सिंह का विवाह 8 दिसंबर 2022 को हुक्मा की ढाणी निवासी रवि पुत्र सतपाल धायल से हुआ था। शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर, ननद और दादी सास के खिलाफ दहेज के प्रताड़ित करने लगे। इसके चलते कई बार बेटी ससुराल से पीहर आ गई। हर बार उसे कुछ रुपए देकर ससुराल भेजा जाता। 23 जून शाम को जब राजेश देवी पड़ोस में गई हुई थी, इसी दौरान पूजा ने ससुराल वालों से परेशान होकर रसोई में गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/डी-280 दिनांक : 21.06.2024
बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या-व.उ.वि./2024-25/07
जयपुर विकास प्राधिकरण वरिष्ठ उद्यानविज्ञ में "Development and maintenance of Greenbelt and median in Hatoj Extension Scheme with 2 years maintenance." कार्य जिसकी लागत रू. 49.81 लाख के लिए दिनांक 01.07.2024 सायं 6.00 बजे तक ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण जो कि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है, अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
(UBN No. JDA2425WSOB00061)
निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-
1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो। निविदा शुल्क व आर.आई.एस.एल. प्रक्रिया शुल्क केवल ऑन लाईन ही देय होगी। बोली प्रतिभूति ऑनलाईन अथवा बैंक गारन्टी के द्वारा दी जा सकती है।
2. ऑन लाईन निविदा में भाग लेने हेतु राजस्थान सरकार के पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।
राज.संवाद/सी/24/1235 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के सात विषय पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, ज्योग्राफी, ड्राइंग एंड पेंटिंग, म्यूजिक (वॉकल), फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर तथा साइकोलॉजी विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 26 से 28 जून को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

सर्व समाज में आक्रोश, उपद्रवियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर में दो पक्षों के बीच हुई झड़प को लेकर सोमवार को सर्व समाज के प्रतिनिधिमंडल ने संतों के सान्निध्य में जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर सूरसागर में उपद्रव करने वाले दोषियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की एकतरफा कार्रवाई न की जाए। दोषियों को बख्शा न जाए। ज्ञापन देने आए लोगों ने बताया कि सूरसागर क्षेत्र में एक समाज विशेष के लोग द्वारा पिछले कई वर्षों से अनैतिक कार्य कर महिलाओं व लड़कियों के साथ छेड़खानी कर रहे हैं जिसकी वजह से पहले भी क्षेत्र में दंगे हुए तथा जानमाल की क्षति हुई है।

उन्होंने इस प्रकार की गंभीर घटनाओं के कारण भी बताए हैं। उन्होंने बताया कि राजाराम चौराहे पर अवैध मीट की दुकानें संचालित हो रही है जो मंदिरों के पास है तथा जिससे हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचती है, इसको बंद करवाया जाए। चौराहे पर सड़क सीमा में अतिक्रमण हो रखा है उसकी जांच करके अवैध निर्माण ध्वस्त करवाया जाए। नो एंट्री जोन होने के बाद भी चौराहे पर व मुख्य सड़क पर भारी वाहन खड़े रहते हैं जिससे यातायात बाधित रहता है और आए दिन दुर्घटनाएं भी होती रहती है, इसकी जांच करके दुरस्त किया जाए, वहीं देर रात तक दुकानें खुली रहने के कारण असामाजिक तत्व वहां समूह के रूप में बैठे रहते है जिससे राहगीरों को परेशान करना व उनसे लूटपाट करना आम बात है, इसको रोका जाए, सूरसागर थाने वाली सड़क पर जो कब्रिस्तान है उसके बीच में चल रही सड़क पर हुए अतिक्रमण को हटाया जाए, व्यापारियों के मौहल्ले में जो अवैध निर्माण है उसे हटाया जाए, पूरे क्षेत्र में समुचित सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में कोई घटना हो तो पुलिस को जांच में सहयोग मिले, जिनके घरों से पत्थर बरामद हुए हैं उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

संत श्रवणराम महाराज ने बताया कि 15 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है। पुलिस प्रशासन सात दिनों में कठोर कार्रवाई नहीं करता है तो हिन्दू समाज संतों के नेतृत्व में सड़कों पर आकर उग्र आंदोलन करेगा।

- सूरसागर में दो पक्षों के बीच हुई झड़प को लेकर सर्व समाज ने संतों के साथ मिलकर जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपे
- पुलिस प्रशासन से सात दिन में कठोर कार्रवाई की मांग, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअकें/2024-25/56-60 दिनांक 20.06.2024
निविदा सूचना (2024-25)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्तें विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 06.07.2024 मध्यान्ह 12.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रात: मध्यान्ह पश्चात 12.30 बजे तक जमा की जाकर दोपहर 01.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य।	8,69,400/-	17,500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

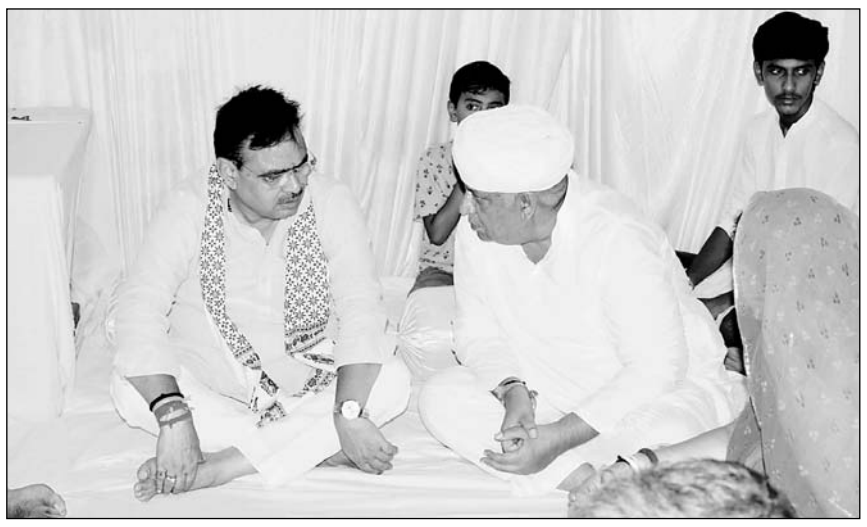

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को राजसमंद जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने आगरिया (आमेट) में कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ के निवास पर पहुंच कर उनकी माता पारस कंवर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न मुद्दों पर विधायक राठौड़ से चर्चा भी की। इस दौरान राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, समाजसेवी मानसिंह बारहठ, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, राजसमंद प्रधान अरविंद सिंह, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, कलेक्टर डॉ.भंव लाल, एसपी मनीष त्रिपाठी, समाजसेवी महेंद्र सिंह आगरिया, पूर्व चेयरमैन अशोक रांका सहित बड़ी संख्या में स्थानीयजन आदि मौजूद रहे।

उदयपुर में बारिश होने से तापमान में गिरावट आई

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में मानसून की शुरूआत हो चुकी है। भारी उमस के बीच गुजर रहे दिनों के बीच सोमवार शाम को आसमान में छाए घने बादलों के बीच मध्यम क्रम की बारिश शहर में हुई। तापमान में करीब चार डिग्री से गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को हुई बारिश ने उमस से हल्की राहत दी है।

- सोमवार को पारा 35.5 डिगी रिकॉर्ड किया गया

लेकसिटी में रविवार की तरह सोमवार को भी सुबह से मौसम में उमस घुली गई। भारी उमस के बीच बीते पूरे दिन के बाद शाम करीब 6.30 बजे अचानक छाए घने बादलों ने खण्ड वर्षा के रूप में बरसना शुरू किया और शाम को शहर के कई इलाकों में मध्यम क्रम की बारिश हुई। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहर के अधिकतम तापमान में एक ही दिन में करीब चार डिग्री से की गिरावट हुई है। रविवार को तापमान 39.2 डिग्री था जो कम होकर सोमवार को 35.5 डिगी रिकॉर्ड किया गया। वहीं डबोक मौसम विभाग ने सुबह 8.30 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में 16.5 मिमी व शाम 5.30 बजे तक समाप्त बीते 12 घंटों में 8.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की।

वहीं सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से सुबह 8 बजे तक जिले में सर्वाधिक वर्षा 21 मिमी कोटड़ा में दर्ज की। इसके अलावा भीण्डर में 17, वल्लभ नगर 15, खेरवाड़ा 10, ऋषभदेव 11, कानोड़ में 16 मिमी बारिश हुई। इधर, शहर के केचमेंट एरिया में अभी बारिश का इंतजार है।

उदयपुर में आयड़ क्षेत्र में बारिश से पानी के बीच में से निकलते वाहन।

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)
पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com website : www.Kotamc.org
क्रमांक :- ननिकोद/गौशाला/2024/4648-59 दिनांक :- 21.06.2024
ई-बिड सूचना
राज्य सरकार/केन्द्र सरकार से लायसेन्स प्राप्त दवाई विक्रेता/निर्माता को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, कोटा दक्षिण की बंधा गौशाला धर्मपुरा एवं कायन हाउस किशोरपुरा में जेनेरिक दवाईयों एवं सर्जिकल सामानों की आपूर्ति कार्य हेतु ई-बिड आमन्त्रित की जाती है। निविदा में भाग लेने हेतु बिड़ राशि, अमानत राशि तथा प्रोसेसिंग राशि Demand Draft से प्राप्त की जावेगी। ई-बिड सूचना निगम वेबसाइट www.kotamc.org /www.sppp.rajasthan.gov.in / eproc.rajasthan.gov.in पर देखी तथा बिड प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते है और eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन ई-बिड अपलोड/सबमिट की जा सकती है एवं कमरा नम्बर 416 में बिड शुल्क/अमानत राशि/एम.डी.,आर.आई.एस.एल शुल्क के Demand Draft दिनांक 05.07.2024 को सायः 4:00 बजे तक जमा किये जा सकते है। नियत समय तक प्राप्त ई-बिड की तकनीकी बिड को दिनांक 08.07.2024 को प्रातः 11:00 बजे ऑनलाईन खोला जावेगा।
UBN No DLB2425GLOB01209

1.	कार्य का नाम	बंधा धर्मपुरा गौशाला एवं किशोरपुरा कायन हाउस में जेनेरिक दवाईयों एवं सर्जिकल सामानो की सप्लाई आपूर्ति कार्य।
2.	अनुमानित व्यय	राशि रूपये 16.00 लाख मात्र
3.	बिड शुल्क (उक्त शुल्क का डीडी आयुक्त नगर निगम, कोटा दक्षिण के नाम बनेगा)	राशि रूपये 2000/- मात्र
4.	अमानत राशि (उक्त शुल्क का डीडी आयुक्त नगर निगम, कोटा दक्षिण के नाम बनेगा)	राशि रूपये 32000/- मात्र
5.	प्रोसेसिंग फीस (उक्त शुल्क का डीडी MD. RISL, Jaipur के नाम बनेगा)	500/-रूपये मात्र
6.	बिड डाउनलोड करने की तिथि (वेबसाईट से)	दिनांक 22.06.2024 से
7.	बिड अपलोड करने की अंतिम तिथि (वेबसाईट से)	दिनांक 04.07.2024 सायं 5:00 PM तक
8.	अमानत राशि/बिड शुल्क/प्रोसेसिंग शुल्क Demand Draft जमा करने की अंतिम तिथि(कार्यालय मे)	दिनांक 05.07.2024 सायः 4:00 PM तक
9.	तकनीकी बिड खोलने की तिथि	दिनांक 08.07.2024 प्रातः 11:00 बजे
10.	वित्तीय बिड खोलने की तिथि	तकनीकी बिड परीक्षण उपरान्त।
11.	कार्य अवधि	कार्यादेश तिथि से 1 वर्ष के लिये

नोट :- बिड से संबंधित आवश्यक शर्तें कार्यालय समय में राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान स्थित नगर निगम, कोटा दक्षिण कार्यालय के कमरा नम्बर 416 गौशाला अनुभाग में देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/24/1209 उपायुक्त गौशाला

जानलेवा हमले के मामले में दस जने दिल्ली से गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की लेबर कॉलोनी में दो युवकों पर हुये जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दस लोगों को दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया है।

प्रताप नगर पुलिस के अनुसार, लेबर कॉलोनी निवासी गजेन्द्र उर्फ गज्जु पुत्र निरंजन भाम्बी ने 11 जून को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दी कि 10 जून की शाम करीब 08.30 बजे कश्मीर शेख, याद मोहम्मद उर्फ छोटू शेख, वहीद, लक्की कायमखानी, जिशान शेख उर्फ शानू और शाहिल शेख, लख्खा कायमखानी व अन्य 5-7 व्यक्तियों ने परिवादी व उसकी बुआ के लड़के को बाइक पर जाते हुये को रोककर जातिगत गाली-गलौच कर अपमानित करते हुये जानलेवा हमला किया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या के प्रयास, मारपीट, बंधक बनाने सहित एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था।

इस मामले की जांच डीएसपी सिटी को दी गई। उधर, आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लेबर कॉलोनी-जवाहर नगर संघर्ष समिति के बैनर तले जिलाधिकारियों को ज्ञापन दिये। वहीं पटरी पार के इलाकों के बाजार बंद रखकर प्रदर्शन भी किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुये जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के सुपरविजन व एएसपी विमल सिंह के निर्देशन में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी तंत्र व मुखबीर सूचना के आधार पर भीलवाड़ा, बदनोर, माण्डल जहाजपुर, देवली, टोंक सहित करीब 100 से अधिक ठिकानों पर तलाश की। आरोपियों का करीब 600 किलोमीटर पीछा करते हुये उन्हें पहाडगंज दिल्ली से डिटेन कर लिया। शहर के लेबर कॉलोनी इलाके में दो युवकों पर हुये जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इन आरोपितों को दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से दबोच कर यहां ले आई।

पुलिस ने पहाडगंज दिल्ली से लेबर कॉलोनी निवासी कश्मीर मोहम्मद शेख, जिशान शेख, याद मोहम्मद उर्फ छोटू शेख, वहिद मोहम्मद शेख, साहिल शेख, सरफराज मोहम्मद शेख उर्फ सप्पू, युनुस खान उर्फ लक्की कामखानी, आदित्य यादव, विशाल गवारिया, असांरुल हक शेख को गिरफ्तार कर लिया।

दो युवकों पर हुये जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दस लोगों को दिल्ली के पहाड़गंज इलाके से गिरफ्तार किया।

- पुलिस टीम ने आरोपियों की भीलवाड़ा, बदनोर, माण्डल जहाजपुर, देवली, टोंक सहित करीब 100 से अधिक ठिकानों पर तलाश की
- पुलिस ने आरोपियों का करीब 600 किलोमीटर पीछा करते हुये उन्हें पहाडगंज दिल्ली से डिटेन कर लिया

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नपबा/विद्युत/2024/3081 दिनांक : 21.06.2024
निविदा सूचना संख्या : विद्युत 02/2024-25
नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु इस कार्यालय के लिये नगर परिषद क्षेत्र में रोड़ लाईट रखरखाव व रोड़ लाईन मरम्मत कार्य, हाईमास्क व सभी पार्कों की लाईट तथा रोड़ लाईट से सम्बन्धित सभी कार्य हेतु विद्युत विभाग में "A" Class में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक/फर्म निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्य की लागत 23.00 लाख रूपये है तथा UBN No. DLB2425SLOB01153 है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/1192 नगर परिषद बारां

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, टोंक (राज.)
क्रमांक :- कृउमस/सी.आई.सी./ओ.एण्ड.एम./2024-25/282-302 दिनांक : 20.06.2024
ई-निविदा सूचना :- 01/2024-25
कृषि उपज मण्डी समिति, टोंक के गौण मण्डी प्रांगण सोहेला में पी.एम.एफ.एम.ई. योजना के अन्तर्गत स्थापित किये जा रहे कॉमन इन्क्यूबेशन सेन्टर में Processing Line-i Mustard Oil Expeler Mill with packing Unit., Processing Line-ii. Primary Processing For Fruit and Vegetabiles Sorting, Grading., & Processing Line- iii. Plup and Sauce line for Tomato and Chilli. iv - Pack House के लियें Selection of Operator for Operation and Management हेतु इच्छुक Proprietor or Partnership Firm / LLP, Pvt ltd. company, Co-operative, Farmer Producer Company/ Organization,Self Help Group or any other private agency से निम्नानुसार ई-निविदा ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से दिनांक 21.06.2024 से 15.07.2024 तक आमंत्रित की गई है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIB Code : DAM2425A0111 (UBN No : DAM2425SLRC00292 एवं विभागीय वेबसाईट agriculture.rajasthan.gov.in /mandi पर भी देखा जा सकता है।
NIB Code : DAM2425A0111
UBN No : DAM2425SLRC00292
सचिव प्रशासक
राज.संवाद/सी/24/1219

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/22 - 24 Date : 21/06/2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 06/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 142.67 लाख (08 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	24.06.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 04.07.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	24.06.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 04.07.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	05.07.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2425WSOB00033 To ITU2425WSOB00040
राज.संवाद/सी/24/1174 अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगर परिषद, केकड़ी -राजस्थान
Email ID - npkekri2011@gmail.com Phone(O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri
क्रमांकः नपके/भूमि शाखा/2024-25/653 दिनांकः19.06.2024
ई -ऑक्शन के माध्यम से आवासीय/व्यवसायिक भूखण्डों की आम नीलामी की सूचना
नगर परिषद, केकड़ी द्वारा ई-ऑक्सन के माध्यम से राजकीय महाविद्यालय के पीछे मुख्यमंत्री जन आवास योजना के पास गांधी नगर वाणिज्यिक एवं आवासीय योजना में वाणिज्यिक भूखण्डों को निलाम हेतु की जानी है। जिसमें धरोहर राशि दिनांक 24.06.2024 मध्य रात्रि 12.00 AM से 30.06.2024 को मध्य रात्रि तक जमा करायी जा सकती है।
उक्त निलामी में निम्न कुल 20 भूखण्डों की निलामी की जानी है जो ई-ऑक्शन के माध्यम से निम्न तालिका अनुसार आवासीय एवं वाणिज्यिक भूखण्ड क्रय किये जा सकते है। निम्न भूखण्डों हेतु ई-ऑक्शन का प्रारम्भ दिनांक 02.07.2024 मध्य रात्रि 12.00 AM से 04.07.2024 को मध्य रात्रि तक रहेगा। जिसके लिए धरोहर राशि दिनांक 24.06.2024 मध्य रात्रि 12.00 AM से 30.06.2024 तक ऑनलाईन माध्यम से जमा करवायी जा सकती है। नियम/शर्ते एवं निलामी से संबंधित जानकारी E-Auction Portal https://lsgeauction.rajasthan.gov.in/ (SSO ID के माध्यम से) एवं नगर परिषद की वेबसाईट https://urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri पर देखी जा सकती है। सम्पर्क सूत्र श्री संजय शर्मा (मो.नं. 7690838999) वरिष्ठ प्रारूपकार नगर परिषद केकड़ी रहेंगे।
भूखण्ड का विवरण

क्र. सं.	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड माप	भूखण्ड क्षेत्रफल (व.मी. मे)	भूखण्ड क्षेत्रफल (व.ग. मे)	निलामी में भाग लेने हेतु भूखण्ड के लिए जमा योग्य अमानत राशि	भूखण्ड का भू उपयोग	निलामी आरम्भ निलामी आरम्भ सुरक्षित दर (प्रति व.ग.)
1	2	3	4	5	7	6	8
1	1, 5, 9, 16, 20		41.82	50.00	3346	आवासीय	4000 रू. प्रति वर्गमीटर
2	112	25'x 30'	69.70	83.33	5576		
3	115, 118, 122, 126	20'x 40'	74.34	88.88	5947		
4	E-11, E-13 E-21, E-25 , E- 33, E-37	10'x 10'	9.28	11.11	1120	वाणिज्यिक	6000 रू. प्रति वर्गमीटर
5	C- 2	50' x 85'	394.98	472.22	47390		
	C -13	106' x 85'	837.05	1001.11	100450		
	C -18	104.8' x 85'	826.52	988.51	99190		
	C - 24	157'x85'	1238.78	1482.77	148660		

शर्तें:-
1. बोलीदाता को निलामी में भाग लेने से उपरोक्तानुसार रूपये धरोहर राशि ऑन लाईन जमा करानी होगी।
2. निलामी द्वारा विक्रय किये जा रहे भूखण्ड की छत केता की रहेगी।
3. निलामी से विक्रय किये जाने वाले भूखण्ड पर निर्माण स्वीकृति पालिका से प्राप्त करनी होगी।
4. निलामी तिथि से 180 दिवस के भीतर विक्रय भूमि की शेष सम्पूर्ण राशि परिषद में ऑनलाईन जमा करानी होगी जिसकी सूचना अलग से नहीं दी जायेगी। राशि निर्धारित समय में जमा नहीं कराने पर जमा राशि जब्त कर भूखण्ड की निलामी निरस्त कर दी जावेगी।
5. लीज राशि नियमानुसार देय होगी।
6. बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार परिषद के पास सुरक्षित रहेगा।
राज.संवाद/सी/24/1187 आयुक्त

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी फ्रेंचाइजी क्रिकेट की बजाय देश के लिये खेलने को तरजीह दें। उम्मीद है कि खिलाड़ी हमेशा देश के लिये खेलने को चुनेंगे। मैं कप्तान होने के नाते उन्हें इसके लिये प्रेरित करता रहूंगा। - रोवमैन पॉवेल

वेस्टइंडीज के कप्तान, फ्रेंचाइजी क्रिकेट की बजाय देश के लिये खेलने के लिए कहा

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शुभमन गिल

अगले महीन से शुरू होने वाली भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम की कमान युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को सौंपी गई है। दोनों टीमों के बीच ये सीरीज 6 जुलाई से शुरू होगी। वहीं टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने से चूकने वाले शुभमन गिल को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया, जबकि अभिषेक शर्मा और रियान पराग को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को आराम दिए जाने के बाद तेज गेंदबाज खलीली अहमद और आवेश खान मौका मिला है।

क्या आप जानते हैं ?... विश्वकप फुटबॉल इतिहास में पहला मैच फ्रांस और मैक्सिको के बीच खेला गया, जिसमें फ्रांस 4-1 से जीता।

संक्षिप्त समाचार

श्रीजा अकुला ने जीता डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब

लागोस, 24 जून। श्रीजा अकुला ने डब्ल्यूटीटी कंटेंडर के एकल के फाइनल मुकाबले में चीन की डिंग यिजी को हराकर खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गईं हैं। नाइजीरिया के सर मोलेड ओकोया थॉमस इंडोर स्पोर्ट्स हॉल में रविवार को खेले गये डब्ल्यूटेटे कंटेंडर एकल के खिताबी मुकाबले में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी श्रीजा ने चीन की डिंग को 4-1 (10-12, 11-9, 11-6, 11-8, 11-6) से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की दूसरे नंबर की पैडलर श्रीजा ने अर्चना कामथ के साथ हमवतन दीया चितले और यशस्विनी घोरपड़े की जोड़ी को 3-0 (11-9, 11-6, 12-10) से हराकर महिला युगल का खिताब भी अपने नाम किया।

चंड़ीगढ़ की गौरी व पंजाब के गगन ने जीता कुश्ती व दंगल

सोलन, 24 जून। तीन दिवसीय मां शूलिनी मेला के दौरान पुलिस विभाग व शूलिनी मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में कुश्ती प्रतियोगिता एवं दंगल का आयोजन किया गया। लड़कियों की कुश्ती प्रतियोगिता में फाइनल मुकाबला चंडीगढ़ की गौरी व मैदा के बीच खेला गया। इसमें गौरी विजयी रहीं। दंगल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला पंजाब पुलिस के गगन और पंजाब के रहने वाले ताज गोनी के बीच खेला गया। इसमें गगन ने खिताब जीत लिया। विजेता को 40 हजार रुपए तथा उप-विजेता को 35 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। मुख्य संसदीय सचिव राम कुमार चौधरी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मां शूलिनी का यह मेला ऐतिहासिक ग्रेडो मैदान में वर्षों से मनाया जा रहा है और ग्रेडा व दंगल जैसे प्राचीन खेल इसे अनूठा बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मेलों के दौरान खेल गतिविधियों का आयोजन लोगों के मनोरंजन के साथ ही खिलाड़ियों के शारीरिक सौष्ठव व मानसिक दृढ़ता का भी परिचायक होता है। इससे युवा खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उचित मंच प्राप्त होता है।

श्रीलंका महिला टीम ने टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार विकेट से हराया

हंबनटोटा, 24 जून। चमारी अटापट्टू (चार विकेट) और इनोशी प्रियदर्शनी (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद विशमी गुणरत्ने (35) तथा हर्षिता समरविक्रमा (35) की उम्दा पारियों के दम पर श्रीलंका की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को चार विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। आज यहां महिंदा राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 134 रनों का स्कोर खड़ा किया। कप्तान हेले मैथ्यूज (30), आलियाह एलीने (26) कियाना जोसेफ (20),स्टेफनी टेलर (11) रन बनाकर आउट हुई और एफी फ्लेचर नाबाद (14) रन बनाये। श्रीलंका की ओर से चमारी अटापट्टू ने चार विकेट लिये। इनोशी प्रियदर्शनी को तीन विकेट मिले। अमा कंचना ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

शुभमन गिल के कप्तान बनने पर भड़के फैंस

नई दिल्ली, 24 जून। बीसीसीआई ने सोमवार को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। जहां युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम की कमान सौंपी है। वहीं दोनों टीमों के बीच 6 जुलाई से पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। साथ ही इस सीरीज में टीम के सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

वनडे वर्ल्डकप का बदला पूरा, ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया

भारत का सेमीफाइनल में 27 जून को इंग्लैंड से होगा आमना-सामना, रोहित ने ताबड़तोड़ 92 रन बनाए

ग्रॉस आइलेट, 24 जून। टीम इंडिया ने अपने आखिरी सुपर-8 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम 5वीं बार इस टूर्नामेंट के टॉप-4 में पहुंची है। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड से 27 जून रात 8:00 बजे से गयाना के मैदान पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की इस हार से उसका सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना टूटता नजर आ रहा है। अब ऑस्ट्रेलिया की सारी उम्मीद कल होने वाले अफगानिस्तान व बांग्लादेश के मुकाबले पर टिकी है। अगर अफगानिस्तान जीता तो वो सीधे ही सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा तथा ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगा। इस मैच में हार-जीत का फैसला रननेट के आधार पर भी होगा।

वेस्टइंडीज के सेंट लूसिया में सोमवार को ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 41 गेंद पर 92 रन की पारी खेली। उन्होंने 7 चौके और 8 सिक्स की मदद से 224 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। एक वक्त उनका स्ट्राइक रेट 300 तक पहुंच गया था। रोहित टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज सेंचुरी बनाने से चूक गए, हालांकि सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाई। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार (31), शिवम दुबे (28) और हार्दिक पंड्या (27) ने टीम का स्कोर 205 तक पहुंचाया। टीम ने इस टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार 200 का स्कोर खडा किया है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में सिर्फ 14 रन दिए और एक विकेट लिया। हेजलवुड के अलावा हर बॉलर ने अपने ओवर्स में 10 से ज्यादा रन दिए। रन चेज में ऑस्ट्रेलिया ने 13 ओवर में दो विकेट पर 128 रन बना लिए थे। उसके बाद आखिरी के 7 ओवर्स में भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और कंगारू टीम को 20 ओवर में 181/7 के स्कोर पर रोक दिया।

वेस्टइंडीज को हराकर दक्षिण अफ्रीका पहुंची सेमीफाइनल में

नॉर्थ साउंड, 24 जून। तबरेज शम्सी (तीन विकेट) और अन्य गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन और उसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स (29) और हाइनरिक क्लासन (22) रनों की पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप दो के वर्षा प्रभावित मुकाबले में वेस्टइंडीज को हराकर तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को 136 रन का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका की पारी में हुई बारिश के कारण डकवर्थ लुईस नियम के तहत तीन ओवर घटाकर 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य कर दिया गया। जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में 7 विकेट पर 124 रन बनाकर हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज ने रॉस्टन चेज (52) रन की अर्धशतकीय और काइल मेयर्स (35) रनों की पारियों के दम पर आठ विकेट पर 135 रन का स्कोर खड़ा किया था। रोस्टन ने 39 गेंदो में (52) रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। टी-20 विश्व कप में यह उनका पहला और टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक है। आंद्रे रसल (25) और अल्जारी जोसेफ नाबाद ने (11) रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी ने तीन विकेट लिये। मार्कर यानसन, एडन मारक्रम, केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी रही। दो ओवर के बाद बारिश आने से दक्षिण अफ्रीका टीम को 17 ओवर में 123 का संशोधित लक्ष्य मिला। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने 42 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये थे। रीजा हेंड्रिक्स(शून्य), क्विंटन डिकॉक (12) और कप्तान एडन मारक्रम (18) रन बनाकर आउट हुये। ट्रिस्टन स्टब्स 27 गेंदों में (29), हाइनरिक क्लासन 10 गेंदों में (22) और मार्कर यानसन ने 14 गेंदों में नाबाद (21) रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन ने तीन विकेट लिये। आंद्रे रसल और अल्जारी जोसेफ ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

गोल्फर अदिति और दीक्षा ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नयी दिल्ली, 24 जून। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने सोमवार को विश्व रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के टिकट हासिल कर लिये। दोनों महिला खिलाड़ियों से पहले शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर (पुरुष वर्ग) ने भी ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया था। इससे चार सदस्यीय भारतीय टीम 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले खेलों में चुनौती पेश करेंगी। अदिति पहली भारतीय गोल्फर है जो तीसरी बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। दीक्षा के लिए यह दूसरा मौका होगा तो वहीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में चुनौती पेश करेंगे।

ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अदिति ने ही किया है। वह तोक्यो ओलंपिक में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रही थी। ओलंपिक प्रविष्टियां भारतीय गोल्फ संघ द्वारा भेजी जाती हैं। ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती है, जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के माध्यम से 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों तक सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए पात्र होते है। इसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फरों की अनुमति है।

इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) के आधार पर खिलाड़ियों को कोटा मिलता है। इसमें एक देश से अधिकतम दो खिलाड़ी जगह पात्र होते है बशर्ते उस देश को ओडब्ल्यूजीआर के कोटे से जगह नहीं मिली हो। अदिति 24वें स्थान के साथ भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी है जबकि दीक्षा 40वें पायदान पर है। दीक्षा ओलंपिक और डेफलंपिक्स (बधिर खिलाड़ियों का विशेष ओलंपिक) में भाग लेने वाले इकलौती गोल्फर है। डेफलंपिक्स में उनके नाम दो पदक है।

उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप में पनामा पर 3-1 की जीत से अपना अभियान शुरू किया

मियामी गार्डन्स, 24 जून। उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप फुटबॉल का खिताब रिकॉर्ड 16वीं बार जीतने के लक्ष्य के साथ अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप सी में पनामा पर 3-1 की जीत के साथ की। उरुग्वे की टीम इस मैच में देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले दिग्गज लुइस सुआरेज के बिना मैदान में उतरी थी।

मैक्सिमिलियानो अराउजो ने 16वें मिनट में उरुग्वे का खाता खोला जबकि डार्विन नुनेज (85वें मिनट) और मैटियास विना ने आखिरी पलों में छह मिनट के अंदर दो गोल टीम की जीत को पक्का कर दिया। इस पूरे मैच में उरुग्वे का दबदबा रहे जो 20 बार पनामा की रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रहा। इसमें से उसके सात प्रयास निशाने पर रहे और तीन गोल में बदले। पनामा के लिए अमीर मुरिलो ने स्टॉपेज समय ने गोल कर हार के अंतर को कम किया। ग्रुप सी के एक अन्य मैच में अमेरिका ने बोलीविया को 2-0 से हराया। उरुग्वे अब गुरुवार को न्यूजर्सी में बोलीविया का सामना करेगा जबकि इसी दिन अमेरिका के सामने पनामा की चुनौती होगी।

एमिटी और एम 2 एम का मुकाबला रहा ड्रॉ

नयी दिल्ली, 24 जून। डीएसए ए डिवीजन लीग में अजेय चल रही टीमों एमिटी इंडियन नेशनल एफसी और एम 2 एम एफसी ने ड्रॉ खेल कर सीनियर डिवीजन में प्रवेश की संभावना को बनाए रखा है। नेहरू स्टेडियम पर खेले गए सुपर सिक्स के संघर्षपूर्ण मैच में दोनों का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा। इस प्रकार दोनों ने दो जीत और एक ड्रॉ से कुल सात अंक बना लिए हैं। सुपर सिक्स की दौड़ में नोएडा सिटी एफसी तीन मैच जीत कर नौ अंकों के साथ टॉप पर है। पिछले प्रदर्शन को देखते हुए एमिटी इंडियन नेशनल का पलड़ा भारी नजर आ रहा था लेकिन एम 2 एम ने अनुमान को गलत साबित करते हुए न सिर्फ बेहतर प्रदर्शन किया पहले बढ़त बनाने वाला गोल भी जमाया। 45वें मिनट में गोल मुहाने पर मची रेल पेल के चलते रक्षापंक्ति के खिलाड़ी निखिल रावत ने प्रतिद्वंद्वी गोली आशीष को गलती करने पर मजबूर किया।

नाइट क्लब जाने से टी-20 विश्वकप से बाहर नहीं हुई श्रीलंका टीम : खेलमंत्री

कोलंबो, 24 जून। श्रीलंका के खेलमंत्री हारिन फर्नांडो ने सोमवार को आलोचकों से कहा कि वे साबित करके दिखायें कि श्रीलंकाई क्रिकेट टीम कथित तौर पर नाइट क्लब जाने के कारण टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर हो गई। श्रीलंका ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहने के बाद सुपर आठ चरण में नहीं पहुंच सकी। टीम बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका से हार गई जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बारिश की भेंट हो गया। उसने एकमात्र जीत नीदरलैंड के खिलाफ दर्ज की। फर्नांडो ने कहा, "मैं उन्हें (आलोचकों को) चुनौती देता हूं कि वे इसे साबित करे। अगर वे ऐसा कर सके तो मैं पद से इस्तीफा दे दूंगा।" ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि देर रात तक नाइट क्लब में रहने के कारण टीम अभ्यास सत्र में देर से पहुंची थी। फर्नांडो नवंबर 2023 में रोशन रणसिंघे की जगह खेलमंत्री बने थे।

जमशेदपुर एफसी ने मुख्य कोच खालिद जमील का करार दो साल के लिए बढ़ाया

जमशेदपुर, 24 जून। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी (जेएफसी) ने मुख्य कोच खालिद जमील की सेवाओं को अगले दो वर्षों के लिए बरकरार रखने की सोमवार को घोषणा की। एएफसी प्रो लाइसेंस धारी कोच खालिद 2017 में सुर्खियों में आये थे जब उनकी देखरेख में आइजोल एफसी ने आई-लीग का खिताब जीता था। उन्होंने पिछले सत्र के मध्य में जमशेदपुर के मुख्य कोच का पदभार संभाला था। जब वह टीम से जुड़े थे उस समय जमशेदपुर एफसी अपने 11 में से केवल दो मैच जीत सका था। उनकी नियुक्ति के बाद टीम के प्रदर्शन में सुधार आया और इस क्लब ने वापसी करते हुए 2024 कलिंगा सुपर कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

राजधानी

बिजनेसमैन के बेटे को बंधक बनाकर 75 लाख रुपए की लूट की वारदात झूठी निकली

राजधानी के विधायकपुरी इलाके में गोपालबाड़ी में गोपाल टावर अपार्टमेंट के चौथे फ्लोर पर हथियारबंद बदमाशों द्वारा बिजनेसमैन के बेटे को फ्लैट में बंधक बनाकर 75 लाख रुपए लूट की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।

जयपुर। राजधानी के विधायकपुरी इलाके में गोपालबाड़ी में गोपाल टावर अपार्टमेंट के चौथे फ्लोर पर हथियारबंद बदमाशों ने बिजनेसमैन के बेटे को फ्लैट में बंधक बनाकर 75 लाख रुपए लूट की घटना झूठ निकली है। वारदातों को परिवार के लोगों ने रुपए चोरी कर लूट की कहानी गढ़ दी थी।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि बिजनेसमैन के बेटे ने और परिवार के ही अन्य लोगों ने मिलकर फ्लैट से रुपए बैग में भर के निकाले थे। बाद में बिजनेसमैन के बेटे ने पुलिस को लूट की झूठी कहानी बताकर गुमराह किया। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक करने पर एक युवक रुपए से भरा बैग ले जाता हुआ नजर आया। सख्ती से पूछताछ करने पर बिजनेसमैन के बेटे ने वारदात को खुलासा कर दिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल युवक को सिंधी कैम्प से पकड़ लिया। वहीं उनके रिश्तेदार के यहां से रुपए रिकवर कर लिए। इससे पहले पुलिस ने बताया कि गोपालबाड़ी विधायकपुरी में गोपाल टावर अपार्टमेंट के चौथे फ्लोर पर शराब और प्रॉपर्टी कारोबारी संतोष पूनिया का फ्लैट है। मंगलवार शाम को व्यापारी के फ्लैट पर उनका 12वीं क्लास में पढ़ने वाला बेटा ही मौजूद था। शाम करीब 5 बजे लूट के मकसद से तीन बदमाश फ्लैट पर पहुंचे और बेल बजाई। इस पर बिजनेसमैन के बेटे ने गेट खोला। गेट खुलते ही तीनों बदमाश हथियार दिखाकर अंदर घुस गए और गोली मारने की धमकी देकर रुपयों के बारे में पूछा। बदमाशों ने बिजनेसमैन के बेटे को बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने अलमारी और तिजोरी में रखे 75 लाख रुपए एक बैग में रख लिए। बदमाशों ने बालकनी से बैग को नीचे फेंक दिया और सीढ़ियों से दौड़कर नीचे उतर गए। कुछ दूरी पर खड़ी अल्टो कार में तीनों बदमाश रुपयों से भरा बैग डालकर फरार हो गए। पीड़ित शराब कारोबारी के बेटे ने पुलिस कंट्रोल रूम में लूट की सूचना दी। बदमाशों ने कार अपार्टमेंट के बाहर ही खड़ी कर रखी थी। बदमाश करीब 10 मिनट में पूरी वारदात कर फरार हो गए।

लूट की सूचना मिलने पर विधायकपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नाकाबंदी करवाने के साथ ही आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालना शुरू किया। पुलिस की कई टीमों को लुटेरों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टास्क दिया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लूट करने के तरीके और टाइमिंग को लेकर मामला संदिग्ध लगा। पुलिस को वारदात में नजदीकी रिश्तेदार के शामिल होने का शक है।

बिजनेसमैन के बेटे ने जो घटना बताई वैसा कुछ सीसीटीवी फुटेज में नजर नहीं आ रहा है। सीसीटीवी में एक 24-35 साल का युवक नजर आ रहा है, जो ट्रॉली बैग को आराम से ले जाते दिख रहा है।

शराब व्यापारी के पुत्र अर्जुन ने ही अपने साथी को राशि दी है और उसके बाद पुलिस को झूठी लूट की सूचना दे दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार पुलिस ने व्यापारी के दोस्त को सिंधीकैंप से पकडा है। अब दोनों से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की जा रही है। पड़ोसियों से पूछताछ में सामने आया है कि वारदात के बारे में उनको भी किसी प्रकार की जानकारी नहीं लगी। चीखने की आवाज या शोर-शराबा नहीं सुना।

एन.टी.ए. और केन्द्र सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2024 परीक्षा के परिणाम में धांधली, एनटीए की कार्यप्रणाली और सवाई माधोपुर में हिन्दी माध्यम के अभ्यर्थियों को अंग्रेजी माध्यम का पेपर देने से जुड़े मामले में एनटीए और केन्द्र सरकार से दस जुलाई तक जवाब पेश करने को कहा है।

अवकाशकालीन न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की एकलपीठ की एकलपीठ ने यह आदेश तनुजा यादव व अन्य की याचिकाओं पर दिए। अदालत ने कहा कि प्रकरण में आठ जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। ऐसे में एनटीए और केन्द्र सरकार दस जुलाई तक हाईकोर्ट में अपना जवाब पेश करें। याचिका में अधिवक्ता आरपी सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ता को परीक्षा सेंटर पर पेपर आधा घंटे देरी से दिया गया और समय से पहले ही ले लिया गया। इस तरह उसे पेपर हल करने के लिए पूरा समय नहीं मिला। इसके अलावा नीट पेपर लीक को लेकर बिहार में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद भी एनटीए परीक्षा के पेपर लीक नहीं मान रहा है। ऐसे में परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से परीक्षा आयोजित की जाए।

क्रिकेट खेलने और शाखा चलाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, माहौल गरमाया

मारपीट में दो संघ कार्यकर्ता घायल, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन

- समुदाय विशेष के करीब डेढ़ दर्जन युवकों ने बेट और स्टंप आदि से हमला किया
- हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता थाने के बाहर पहुंचे और कार्रवाई की मांग की
- विधायक ने मौके पर पहुंच पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र स्थिति एमजी पार्क में क्रिकेट खेलने और शाखा चलाने को लेकर दो पक्षों में मामूली कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मारपीट में दो संघ कार्यकर्ता के घायल होने की खबर के बाद माहौल गरमा गया। बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता पहले पार्क और फिर थाने के बाहर पहुंचे और सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। देर रात तक चले प्रदर्शन के बाद दूसरे दिन सोमवार को शहर में शांति रही।

एएसपी विमल सिंह ने बताया कि एमजी पार्क में क्रिकेट खेलने के दौरान संघ के कार्यकर्ता और मुस्लिम समाज के बच्चों के बीच विवाद हो गया था। विवाद के बीच हुई मारपीट में दो स्वयंसेवक पार्थ और सोमनाथ घायल हो गए। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान मुस्लिम पक्ष के लोग भी अपनी रिपोर्ट लेकर थाने पहुंचे तो देखते-देखते दोनों पक्ष आमने-सामने की स्थिति पैदा हो गई, एक बार तो टकराव के हालत बन गए। पुलिस ने बीच में आकर स्थिति संभाली, देर रात तक दोनों पक्षों की ओर से धार्मिक नारेबाजी जारी रही और परस्पर दोनों पक्ष कार्रवाई व गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन करते रहे। हंगामे के सूचना पर शहर विधायक अशोक कोठारी मौके पर पहुंचे और पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर मामला शांत करवाया।

आरएसएस से जुड़े विजय सोनी ने बताया कि यहां कई वर्षों से शाखा लग रही है, लगातार यहां पहले भी हमला किया जाता रहा है। रविवार शाम को जब स्वयंसेवकों ने शाखा लगाई तो समुदाय विशेष के करीब डेढ़ दर्जन युवक हाथ में क्रिकेट बेट और स्टंप आदि लेकर पहुंचे और हमला कर दिया। वहीं दूसरी और मुस्लिम समुदाय की एक महिला शगुफ्ता बानू की और से भी एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है, जिसमें उसने अपने भतीजे अमान के साथ संघ कार्यकर्ताओं द्वारा मारपीट करने और बीच बचाव के दौरान उसके साथ अभद्रता करने के आरोप लगाए हैं।

वीडियो में शगुफ्ता ने पुलिस पर भी रिपोर्ट दर्ज नहीं करने का आरोप लगाया है। हालांकि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस द्वारा मुस्लिम पक्ष की रिपोर्ट भी दर्ज कर ली गई। वहीं पुलिस ने इस मामले में मुस्लिम पक्ष से एक युवक को डिटेन करते हुए मामले में अन्य दोषियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर मामले को शांत करवाया तो वहीं हिंदू संगठन के नेताओं ने 24 घंटे का अल्टिमेटम दिया है। कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में चौकसी बढ़ा दी है और अतिरिक्त जाब्ता भी तैनात किया गया है।

दुष्कर्म मामले को लेकर महासंघ व नर्सिंगकर्मियों का प्रदर्शन

सुजानगढ़ क्षेत्र में कार्यरत एएनएम से दुष्कर्म मामले में जिलेभर के एएनएम सहित कर्मचारी संगठनों में आक्रोश

दुष्कर्म मामले को लेकर जिलेभर के नर्सिंगकर्मियों ने कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया।

चूरू, (कासं.)। दुष्कर्म मामले को लेकर जिलेभर के नर्सिंगकर्मियों ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना-प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सुजानगढ़ क्षेत्र में कार्यरत एएनएम से दुष्कर्म मामले में जिले भर के एएनएम सहित अन्य कर्मचारी संगठनों की ओर से सोमवार को जमकर विरोध-प्रदर्शन किया गया। जिले से आई महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने भी धरने को समर्थन दिया।

एलएचबी एएनएम संघ ऑफ राजस्थान की चूरू जिलाध्यक्ष बाला राठौड़ ने बताया कि 19 जून की रात एएनएम के साथ दुष्कर्म हुआ। थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई। करीब दो घंटे के प्रदर्शन में प्रतिनिधिमंडल की कलेक्टर व एसपी से संयुक्त वार्ता हुई। वार्ता में एसपी ने बताया कि आरोपी की धरपकड़ के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है और जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

- विभिन्न मांगों पर जिला कलेक्टर व एसपी से हुई वार्ता में सहमति बनी

इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल की मांग पर प्रकरण की जांच डीएसपी से करवाने, आरोपी को भगाने में सहयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने, पीड़िता का स्थानांतरण अन्यत्र करने सहित तीन दिन में आरोपी को गिरफ्तार करने पर सहमति बनी। इस मौके पर सीएमएचओ मनोज शर्मा, फूले सिंह बुरड़क, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राहुल कस्वां सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रदर्शन करने वालों में शिक्षक संघ शेखावत के भंवरलाल कस्वां, ग्राम विकास अधिकारी संघ के बीरबल धारिवाल, नर्सेज एसोसिएशन के सुमेर सिहाग, मांगीलाल कुल्हरी, सुजानगढ़ के नर्सेज एसोसिएशन के बजरंग वर्मा, एएनएम संघ के शारदा, भूपेंद्र सिंह काजला, निवास माली, एएनएम एलएचवी संघ की एएनएम सुनील, सविता, राधा मीणा, संतोष, राजबाला, विष्णु, कृष्णा, मंजू, चंद्रकला, संतोष, विमला, उर्मिला, निर्मला मीणा, इंदिरा सैनी, भागोती, सुनीता, कविता, प्रमोद, उर्मिला आदि उपस्थित थे।

जसरापुर की गौचर भूमि में हो रहा है अवैध अतिक्रमण, ग्रामीणों में रोष

ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के जसरापुर की गौचर भूमि में अवैध रूप से अतिक्रमण कर लेने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सोमवार को ग्रामीणों की ओर से एसडीएम को ज्ञापन देकर अवैध रूप से हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की है।

एसडीएम सविता शर्मा को दिए ज्ञापन में बताया कि गांव के पास गौचर भूमि व जोहड़ की भूमि खाली पड़ी हुई है, जिसमें गांव के अलावा अन्य पशुओं के बैठने लिए उपयुक्त जगह है। गौचर भूमि को खाली देखकर कुछ असामाजिक लोगों द्वारा भूमि पर कब्जा कर अवैध रूप से निर्माण कार्य व अतिक्रमण किया जा रहा है, जिसको लेकर गांव के लोगों की ओर से गौचर भूमि पर अतिक्रमण नहीं करने को लेकर समझाने के बाद भी भूमि माफिया लगातार गौचर भूमि पर कब्जा करने में लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि गौचर भूमि पर अवैध रूप से कब्जा होने से गायों को भटकना पड़ रहा है। ऐसे में गौ माता की स्थिति को देखते हुए अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने एसडीएम से पटवारी को मौके पर भेजकर सार्वजनिक भूमि को चिन्हित कर उस पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन को पूर्व में भी अवगत करवाया गया था, लेकिन प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। यदि जल्द ही प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो ग्रामीणों की ओर से आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर बुधराम, गुरू दयाल, अभयसिंह, मुकेश कुमार, उमराव सिंह, गोकुलचंद, चुनीलाल, हीरसिंह, भागीरथ सिंह, किशनलाल सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

इस संबंध में एसडीएम सविता शर्मा ने कहा कि इस मामले की जानकारी जुटाई जाएगी। यदि सार्वजनिक भूमि पर कोई भी व्यक्ति अतिक्रमण या अवैध कब्जा करता पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के रानी रोड पर हुए सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्रापत जानकारी के अनुसार रविवार रात में रानी रोड़ संजय गार्ड के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में गांधीनगर निवासी पंकज हरिजन (26) पुत्र ख्यालीलाल हरिजन गंभीर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पंकज सुखाड़िया सर्कल स्थित रेलवे ट्रेनिंग स्कूल में ठेके पर काम करता था। रात में बाइक लेकर काम पर जा रहा था। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

करोड़ों की जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाने वाली गैंग पकड़ी

हाथीपोल थाना पुलिस ने चार जनों को गिरफ्तार किया

उदयपुर, (कासं)। हाथीपोल थाना पुलिस ने करोड़ों की जमीन को फर्जी गिफ्ट डीड एवं फर्जी मुख्तियारनामा बनाने वाली शातिर गैंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 20 मई 2023 को प्रेमशंकर पुत्र धनराज माली निवासी न्यू भूपालपुरा खारांकुआ तहसील गिर्वा उदयपुर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि दिलीप माली पुत्र भंवरलाल माली निवासी रोड़ नं.1 पुरोहितों की मादड़ी, पुष्पा माली पत्नी दिलीप माली पुत्री धनराज माली निवासी रोड़ नं.1 पुरोहितों की मादड़ी, सुरेश पुत्र हरपाल तलरेजा निवासी कन्यूनिटी हॉल के पास शक्तिनगर, होशांक तलरेजा पुत्र सुरेश तलरेजा निवासी कम्यूनिटी हॉल के पास शक्ति नगर, शेरसिंह राठौड़ पुत्र जेठसिंह राठौड़ निवासी राडाजी बावजी मंदिर बेडवास, सुरेन्द्र कुमार सौलंकी पुत्र औंकारलाल खटीक निवासी सुखदेवी नगर बेदला बड़गांव, विकास निमावत पुत्र शंकरलाल निवासी गुलाबेश्वर मार्ग हाथीपोल, संजय कुमार राय पुत्र मांगीलाल निवासी खटीक मोहल्ला चित्तौड़गढ़ हाल उदयपुर, नन्दलाल पुत्र पन्नालाल माली निवासी आयड़ कन्यूनिटी हॉल के पास शक्ति नगर, उप पंजियक प्रथम एवं संबंधित कार्यालय स्टाफ, तहसीलदार गिर्वा, पटवारी राजस्व ग्राम आयड़ पटवार हल्का पुरोहितों की मादड़ी के खिलाफ रिपोर्ट पेश की। मेरे व अन्य सह खातेदारों के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की जमीन न्यू भुपालपुरा खारांकुआ, पानी की टंकी के पास है। आरोपियों ने मिलीभगत कर उक्त कूटरचित दस्तावेज तैयार कर गिफ्ट डीड एवं फर्जी मुख्तियारनामा तैयार कर विक्रय कर दी।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर हाथीपोल थानाधिकारी आदर्श कुमार के नेतृत्व में गठित दल ने मुख्य आरोपी दिलीप माली पुत्र भंवरलाल माली निवासी पुरोहितों की मादड़ी उदयपुर, साजिश कर्ता शेरसिंह राठौड़ पुत्र जेठसिंह निवासी राड़ाजी बावजी मंदिर बेडवास उदयपुर को गिरफ्तार किया। जिनसे की गई पूछताछ के आधार पर राजेश खटीक पुत्र कैलाश खटीक निवासी पुरोहितों की मादड़ी प्रतापनगर तथा लोकेश मेघवाल पुत्र छोगालाल निवासी पुरोहितों की मादड़ी प्रतापनगर को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि शौभागपुरा रोड़ पर स्थित करोड़ों की जमीन को हथियाने के लिए षड्यंत्र रचाकर पीड़ित की बहन पुष्पा की एक फर्जी गिफ्ट डीड तैयार की तथा उसके आधार पर मुख्तियारनामा तैयार किया, जिसके आधार से अलग-अलग रजिस्ट्री करवाकर कब्जे की तैयारी में थे।

हादसे में युवती की मौत, परिजन घायल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-अहमदाबद हाइवे पर अनियंत्रित कंटेनर ने कार को चपेट में ले लिया। हादसे में युवती की मौत हो गई तथा उसके परिजन घायल हो गए। सोमवार सवेरे टीडी की नाल में अहमदाबाद से उदयपुर की तरफ आ रहे अनियंत्रित कंटेनर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में उनावास खमनोर राजसमन्द हॉल अहमदाबाद निवासी डिंपल कुंवर (23) पुत्री भेपालसिंह राजपूत की मौत हो गई तथा उसके पिता भोलासिंह, मां ललिता कुंवर, भाई अजयसिंह घायल हो गए।

लाखों के जेवर व नगदी लेकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन व सास गिरफ्तार

- न्यायालय ने पुलिस रिमांड पर भेजा, दोनो मां-बेटी की अब तक चार शादीयां हो चुकी है

मालपुरा, (निसं.)। हिन्दू संस्कृति में पति-पत्नि के पवित्र रिश्ते को तार-तार कर इसे व्यवसाय बनाने वाली लूटेरी दुल्हन व शातिर सास को मालपुरा थाना पुलिस ने सांभरलेक से गिरफ्तार किया। जांच अधिकारी एएसआई रामनारायण गुर्जर ने दोनों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने बताया कि 1 अप्रेल को मालपुरा निवासी रामअवतार सोनी ने थाने में दी रिपोर्ट में अवगत करवाया कि सांभरलेक निवासी कोमल सोनी से मेरे पुत्र विजय सोनी का 23 नवम्बर 2023 को समाज बंधुओं की उपस्थिति में हिन्दु रिति-रिवाज से सामाजिक परम्पराओं का निर्वहन करते हुये विवाह हुआ था। शादी में बहू बनी कोमल सोनी को 10 तोला सोना व आधा किलो चांदी के आभूषण पहनाये गये थे। शादी के बाद लगभग 10-12 दिन कोमल सोनी मेरे घर में पुत्रवधु बनकर रही। कोमल ने मेरे बेटे विजय से ऑनलाईन तकरीबन 3 लाख रूपये अपने खाते में ट्रासंफर करवाये। कोमल ने अपनी मां अनुराधा सोनी से मिलीभगत कर षड्यंत्र पूर्वक धोखाधड़ी से जेवरात व रूपये हड़प लिये। थानाधिकारी ने बताया कि पीड़ित की और से दी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच एएसआई रामनारायण गुर्जर को सौंपी गई। जांच अधिकारी ने हर एक पहलू पर निष्पक्ष जांच करते हुये पुलिस तंत्र व मुखबीर आदि से जुटाये साक्ष्यों के आधार पर शादी का झांसा देकर धोखे से नगदी व आभूषण हड़पने वाली सास व बहू को सांभर लेक से गिरफ्तार किया गया।

जांच अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार दोनो मां-बेटी से की गई पूछताछ में सामने आया कि दोनों मां-बेटी ने पूर्व में भी लोगों को शादी का झांसा देकर आभूषण व नगदी हड़पने तथा उल्टा उनको बलात्कार व दहेज प्रताड़ना सहित मारपीट के प्रकरणों में फंसाकर शादी के रिश्ते को एक कारोबार बना लिया। दोनों मां-बेटी की अब तक चार शादीयां हो चुकी है।

हथियारों के साथ तीन गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। अवैध हथियार तस्करी खरीद-फरोख्त के खिलाफ बूंदी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन पिस्टल 12 जिंदा कारतूस सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक हुनमान प्रसाद ने बताया कि अवैध हथियार तस्करो के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत सदर व तालेड़ा पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये 3 आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 3 पिस्टल एवं 12 जिन्दा कारतूस बरामद किये।

जिला पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि भगवान सहाय थाना अधिकारी सदर के द्वारा हथियार तस्कर सोनु कुमार सोनगरा के कब्जे से एक पिस्टल मय 4 जिन्दा कारतूस बरामद किये। सोनु से गहनता से पुछताछ करने पर पता चला कि हथियार तस्कर जितेन्द्र पुत्र कल्याण राजपूत हथियार सप्लाई के लिए बून्दी आने वाला है, जिस पर जितेन्द्र को डिटेन कर जितेन्द्र के कब्जे से एक पिस्टल व 5 जिन्दा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम मे आरोपियों से पूछताछ करने पर तालेड़ा निवासी तस्कर मनुप्रतापसिंह पुत्र रणजीतसिंह का नाम सामने आया, जिस पर तालेड़ा थानाधिकारी रामेश्वर जाट ने आरोपी मनुप्रतापसिंह को गिरफ्तार कर कब्जे से 1 देशी पिस्टल लोहे की व 3 जिन्दा कारतूस बरामद किये गये।

अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार करने की मांग

सर्व समाज के लोगों ने सदर थाने के सामने धरना-प्रदर्शन किया

- बालिका को बरामद नहीं करने पर हाईवे जाम कर उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी
- सानिया बानो के अपहरण की रिपोर्ट 19 जून को सदर थाने में दर्ज करवाई थी, लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई

चूरू, (कासं.)। राणासर निवासी सानिया बानो के अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लड़की को बरामद करवाने की मांग को लेकर सर्व समाज ने सोमवार को सदर थाने के सामने धरना-प्रदर्शन किया।

शमशेर भालू खां ने बताया कि सानिया बानो के अपहरण की रिपोर्ट शौकत पुत्र इलाहीबख्स ने 19 जून को सदर थाने में दर्ज करवाई थी, लेकिन अभी तक किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। शमशेर ने बताया कि चूरू, सीकर एसपी को लिखित में पत्र दिया गया, लेकिन पुलिस अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। पुलिस के इस व्यवहार और उदासीनता से आहत होकर सदर थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है। धरने में शामिल सर्व समाज के लोगों की मांग है कि नामजद आरोपी जिनकी डिटेल उपलब्ध करवाई जा चुकी है, उनको जल्द निरूद्ध कर अपहरण की गई बालिका को बरामद किया जाये। अगर फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो हाईवे जाम कर उग्र प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

धरना प्रदर्शन करने वालों में मजीद राणासर, आरिफ खान, सिकंदर खान, बशीर खान, मोहम्मद अली खान, रहमान, इब्राहिम, इकराम, आरिफ खान, साबिर खान, भंवरु खान, तौफीक खान, मोहिद्दीन खान, आसिफ खान सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अजमेर में गुमटी व डेयरी बूथ संचालकों ने प्रदर्शन किया

जिला व रेल विभाग से अन्य स्थान पर जगह उपलब्ध करवाने की मांग की

- रेल प्रशासन पर लगाया मनमानी का आरोप, कलेक्टर को रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा
- गुमटियों को एडीए ने गत दिनों तोड दिया था

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला शहर कियोस्क एवं डेयरी बूथ एसोसिएशन अजमेर के बैनर तले सोमवार को गुमटी वालों ने जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को रेल मंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर रेल प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने जिला व रेल विभाग से अन्य स्थान पर जगह उपलब्ध करवाने की मांग की है।

जिला कलेक्टर डॉ. दीक्षित को सौंपे ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगा सिंह गुर्जर व गुमटी संचालकों ने रेल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए बताया कि इंडिया मोटर सर्किल कचहरी रोड स्थित रेलवे की भूमि के पास बनी गुमटियों को गत दिनों एडीए द्वारा तोड़कर कई लोंगों को बेरोजगार कर दिया है। उन्होंने मांग की है कि उन्हें अन्य स्थानों पर जगह देकर पुन: रोजगार मुहैया करवाया जाए।

2001-02 में आवंटित हुई थी गुमटियां:- एसोसिएशन के अध्यक्ष गंगा सिंह गुर्जर ने बताया कि राज्य सरकार एवं अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2001-02 में सार्वजनिक निर्माण विभाग की भूमि पर गुमटियां देकर बेरोजगारों को रोजगार प्रदान किया गया था। यहां पर गुमटियां बनाकर दी गई थीं। यह गुमटियां रेलवे बिसिट की दीवार के सहारे बनाई गई थी, लेकिन पिछले दिनों रेल प्रशासन ने पीपीपी मोड पर रेलवे बिसिट का कुछ हिस्सा 60 वर्षों की लीज पर अमित जैन को दे दिया। रेलवे ने प्रशासन की मदद से उनकी गुमटियों को हटा दिया। गुमटियों के संचालकों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि उन्हें अन्य स्थान पर जगह उपलब्ध करवाकर पुन: रोजगार प्रदान किया जाए।

कुएं में अधेड़ का क्षत-विक्षत शव मिला

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के लाम्बाहरिसिंह थानान्तर्गत झाडली गांव के पास नदी किनारे एक कुएं में सोमवार को तकरीबन आठ से दस दिन पुराना एक अधेड का क्षत-विशत शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी। लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर हैड कांस्टेबल भारत सिंह सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कुएं से तकरीबन एक किलोमिटर दूर तक शव की बदबू फैली हुई थी।

मौजूद ग्रामीणों के सहयोग से कुएं में चारपाई लटका शव को बाहर निकाला गया। मृतक की उम्र अनुमानित 45 से 50 वर्ष होने का अनुमान है। मृतक गले में रूद्राक्ष पहने हुआ था। मृतक के पास किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं मिलने से शव की पहचान नहीं हो पाई। अधेड़ का शव इतना खराब हो चुका था कि उसे मोर्चरी में रखना संभव नहीं था। मौके पर मौजूद झाडली सरपंच व ग्रामीणों की मौजूदगी में उनकी सहमति से पास ही जंगल में जनसहयोग से पुलिस ने शव का अन्तिम संस्कार करने की परम्परा का निर्वहन किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू करते हुये घटना स्थल से फोटोग्राफ व वीडियोग्राफी के जरिये साक्ष्य जुटा जांच शुरू की।

बेरोजगार युवाओं ने महिला आरक्षण 50 प्रतिशत किए जाने पर विरोध जताया

बेरोजगार युवाओं ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

- ज्ञापन के जरिए निर्णय को वापस लेने की मांग की, आंदोलन की चेतावनी भी दी

अजमेर, (कासं)। राज्य के विद्यालयों में शिक्षा गुणवत्ता को मूल आधार बनाये रखने और महिला कोटा को 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किए जाने को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर सोमवार को बेरोजगार युवाओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से पुरुष वर्ग के साथ अन्याय हो रहा है। बेरोजगार युवाओं ने जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिए निर्णय को वापस लेने की मांग की गई तथा वापस नहीं लिए जाने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर पहुंचे बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं ने कलेक्टर डॉ. दीक्षित को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपकर बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के आरक्षण को 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर देना उचित नहीं है। वर्तमान में बालिकाएं हर भर्ती परीक्षा में 40 से 50 प्रतिशत सीटें अपनी प्रतिभा से प्राप्त कर रही हैं जो कि प्रशंसनीय है और महिला सशक्तिकरण के लिए प्रेरक है।

बेरोजगार युवाओं ने चेतावनी दी कि अगर इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो सभी पुरुष वर्ग धरातल पर उतरकर गांव, शहरों में विरोध प्रदर्शन करेंगे। पुरुष वर्ग का रोजगार ही छीन लिया है, सभी को मानसिक तनाव देकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बेरोजगार युवाओं ने कहा कि यह निर्णय बीएसटीसी धारक छात्र अध्यापकों को अवसाद ग्रस्त करने के लिए मजबूर कर रहा है और परिणाम स्वरुप अधिकांश छात्र अध्यापक पुरुष वर्ग बेरोजगार रहकर सड़कों पर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस विषय पर सरकार को पुन: विचार करना चाहिए। सभी ने यही मांग कि आरक्षण बिल के निर्णय को वापस लिया जाए।

अजमेर कलेक्ट्रेट पर मांगों को लेकर बेरोजगार युवाओं ने प्रदर्शन किया।

सूरसागर में कई घरों की छतों पर पत्थरों के ढेर नज़र आए

ड्रोन कैमरे से हुए सर्च ऑपरेशन में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

- **विशेष स्पैशल टास्क फोर्स दस्ता भेजकर छतों से पत्थर हटाए गए। कुल दो ट्रॉली भरकर पत्थर निकले।**
- **पुलिस ने आशंका जताई कि, यह माहौल बिगाड़ने की साजिश का अंग है। इसके लिए मकान मालिकों से सख्त पूछताछ की जाएगी।**
- **ज्ञातव्य है कि, सूरसागर क्षेत्र में ईदगाह की दीवार से गेट निकालने को लेकर क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव हो गया था। इस दौरान एक दुकान जला दी गई, पुलिस पर भी पथराव किया गया, जिसमें दो पुलिस अफसर घायल हो गए।**
- **पुलिस की सख्ती के बाद से फिलहाल तो माहौल शांत है तथा सूरसागर, प्रताप नगर, देव नगर व राजीव गांधी नगर, थाना क्षेत्र में धारा 144 लागू है।**

जोधपुर, 24 जून (कासं)। जोधपुर के सूरसागर में उपद्रव के बाद पुलिस ने सूरसागर इलाके की तलाशी में ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यहां कई घरों की छत पर पत्थरों के ढेर लगे हुए थे। ड्रोन कैमरे में ये सब नजर आने के बाद पुलिस ने एस.टी.एफ. टीम को फौरन इन घरों की छत पर भेजा और यहां से 2 ट्रॉली से ज्यादा पत्थर बरामद किए। अब पुलिस इन मकान मालिकों पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

पुलिस को आशंका है कि यहां छतों पर जमा किए गए पत्थरों से एक बार फिर माहौल बिगाड़ने की साजिश रची जा रही थी। इसी के चलते रविवार को इस इलाके में ड्रोन सर्वे करवाया गया था। आधा दर्जन से ज्यादा घरों की छत पर पत्थरों का ढेर देखा गया। पुलिस ने सभी संबंधित मकान मालिकों के नाम-पते नोट कर लिए। अब जल्द ही इन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

उपद्रव के आरोप में 67 लोगों पर नामजद मामला दर्ज किया गया है। अब तक 43 लोगों को गिरफ्तारी हो चुकी है। उपद्रव के तीसरे दिन रविवार को सूरसागर इलाके का पूरा बाजार बंद रहा। ओमवार को क्षेत्र में शांति रही।

रविवार को कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की एकतरफा कार्रवाई न की जाए। लेकिन दोषियों को बख्शा न जाए। प्रतिनिधिमंडल में भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़, कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी रहे करण सिंह उचियारड़ा और जोधपुर नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती देवड़ा शामिल थे।

गौरतलब है कि सूरसागर थाना इलाके की राजाराम सर्किल स्थित ईदगाह के मुख्य गेट के पास कुछ दुकानें हैं। गुरुवार को गेट निकालने का काम शुरू किया गया था। बस्ती में रहने वाले कुछ लोग गेट निकालने का विरोध कर रहे थे। दो दिन में दो बार दोनों पक्षों के बीच विवाद हो चुका था। पुलिस ने मामला शांत करवा दिया था।

इसके बाद शुक्रवार को फिर गेट निकालने की कोशिश हुई तो बस्ती के लोगों ने विरोध शुरू कर दिया था। वे गेट निकालने के काम को बंद करने की बात पर अड़ गए थे। तब दूसरे पक्ष के लोग भी वहां आ गए और गेट बनाने के लिए अड़े रहे। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए थे।

शुक्रवार रात को हुए उपद्रव में लोग छतों से पथराव कर रहे थे। इसमें 16 पुलिसकर्मी फंस गए थे। दो बार पुलिस के जवान पीछे हटे। उपद्रवियों ने एक दुकान में आग भी लगा दी थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। करीब तीन घंटे तक यह हंगामा चलता रहा। पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना के थानाधिकारी नितिन दवे और शास्त्री नगर थाना के सब इंस्पेक्टर शैतान सिंह भी घायल हुए थे।

जोधपुर वेस्ट डीसीपी राजेश कुमार यादव ने बताया कि लोकल एरिया में तो हम ऐसे उपद्रवियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जो भी दंगा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें पकड़ा जा रहा है।

सूरसागर में दो पक्षों में विवाद के बाद सूरसागर, प्रतापनगर, देवनगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में अभी भी धारा 144 लगी हुई है। सूरसागर क्षेत्र में जहां विवाद हुआ था, वहां पुलिस जाब्ता तैनात है। पुलिस दर्ज मामलों में जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। क्षेत्र में अब शांति है।

राज्यसभा में सदन के नेता की जिम्मेदारी संभालेंगे जे.पी. नड्डा

नई दिल्ली, 24 जून। राज्यसभा में जे.पी. नड्डा नेता सदन की जिम्मेदारी संभालेंगे। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं। उनसे पहले पीयूष गोयल राज्यसभा के नेता थे, जो इस बार मुंबई की एक सीट से जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। ऐसे में राज्यसभा में सबसे वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा ही थे, जिन्हें पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। चर्चा है कि उन्हें जल्दी ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से मुक्त किया जा सकता है और उनके उत्तराधिकारी की पार्टी ने तलाश तेज कर दी है। अगले कुछ महीनों में ही भाजपा नए अध्यक्ष का ऐलान कर सकती है।

- **मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में नड्डा को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है।**

भाजपा में आमतौर पर एक व्यक्ति, एक पद की नीति रही है। ऐसे में कयास तेज हैं कि जेपी नड्डा की जगह अब भाजपा किसी और नेता को ही पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपेगी। उनके विकल्प के तौर पर विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। फिलहाल हरियाणा, महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में अगले कुछ महीनों ही चुनाव होने हैं। ऐसे में यह भी चर्चा है कि भाजपा की ओर से कुछ दिनों के लिए जेपी नड्डा और सेवा विस्तार मिल सकता है। उस अवधि में उनको कामकाज में मदद करने के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष दिया जा सकता है।

राजस्थान को 2 रीज़नल पूल से बिजली मिलेगी

जयपुर, 24 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आग्रह पर केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने भीषण गर्मी को देखते हुए राजस्थान को 2 रीजनल पूल से अनावंटित बिजली का कोटा देने निर्णय किया है। इसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों का नतीजा माना जा रहा है, 400 मेगावाट) बिजली 24 घंटे उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया है।

इस अनावंटित बिजली की आपूर्ति 26 जून से प्रारंभ हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन एवं बिजली की आपूर्ति के लिए निरंतर

- **मु.मंत्री भजनलाल शर्मा के आग्रह पर केन्द्र सरकार ने भीषण गर्मी को देखते हुए राजस्थान को अनावंटित बिजली देने की मंजूरी दी।**
- **मुख्यमंत्री ने हाल ही में नई दिल्ली यात्रा के दौरान ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से इस बारे में मुलाकात की थी।**
- **केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय के निर्देश पर राजस्थान को दो अनावंटित पूल से कुल 400 मेगावॉट बिजली 24 घंटे दी जाएगी।**

जैसा कि विदित है कि, मुख्यमंत्री शर्मा ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से हाल ही में नई दिल्ली में मुलाकात की थी। जिसके बाद केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने 24 जून, को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को पत्र लिखकर राजस्थान को दक्षिण एवं पश्चिम रीजन के अनावंटित पूल से 200-200 मेगावाट (कुल कार्य किए जा रहे हैं।

गत दिनों राजस्थान को छत्तीसगढ़ में फंसे 4 लाख मीट्रिक टन (लगभग 100 रैक्स) कोयले की आपूर्ति का निर्णय भी हुआ था। इस कोयले से प्रदेश के पावर प्लांट्स में कोयले के भंडार बढ़ेंगे और आमजन को पर्याप्त बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

इमर्जेंसी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं बल्कि पार्टी के मुख्यालयों तक सीमित है। यह अवधि कांग्रेस की एकतरफा तानाशाही का पर्याय बन गई थी, इस दौरान नागरिकों के सभी नागरिक अधिकार खत्म हो गए थे और असहमति की आवाज़ों को अन्यायपूर्ण तरीके से जेल में डाल दिया था। बलूनी ने यह भी कहा था कि, आज भी इस काले दिन के पाठ को जब भारतीय इतिहास में पढ़ते हैं तो 25 जून 1975 की दिल को भयभीत करने वाली गहरी यादें पुन: याद आ जाती है।

एक प्रैस विज्ञप्ति में, उन्होंने कहा कि इस आपातकाल की घटना के विरोध में 25 जून को दिन 12:30 बजे भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा पार्टी के दिल्ली केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पार्टी के नेताओं को संबोधित करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह विरोध प्रदर्शन यह बताने के लिए है कि किस तरह से कांग्रेस ने संविधान का गला घोटा था, नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया था, 21 महीनों तक विपक्ष के नेताओं पर अत्याचार किए गए थे तथा आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) व भारतीय रक्षा नियम (डी.आई.आर.) के तहत मीडिया को कुचला गया। सत्य बोलने वालों की आवाज़ दबा दी गई, भारत की लोकतांत्रिक अखंडता को कमज़ोर किया गया व जनता का दमन किया गया था।

"ब्रिटानिया"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैक्टरी का प्रोडक्शन बंद रहेगा। भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि, फैक्टरी का बंद होना वास्तव में बंगाल के पतन का प्रतीक है, एक ऐसा राज्य जो कभी अपनी समृद्धि के लिए मशहूर था वह आज अव्यवस्था की वजह से पतन के रास्ते पर है।

तारातल प्लांट ब्रिटेनिया की सबसे पुरानी फैक्ट्रियों में से एक है। यह पिछले 7 दशक से लगातार उत्पादन कर रही है। जबकि अभी पिछले 20 दिनों से कंपनी का प्रोडक्शन बंद है। कंपनी के मार्केटिंग एवं बिजनेस लीडर गौतम राय ने कहा कि, कंपनी ने अभी तक बंद को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

ब्रिटेनिया मैनेजमेंट ने कर्मचारियों के बाकी बचे 5 साल 11 महीने के कार्यकाल के लिए 13 लाख रुपये देने का वादा किया है। जिस भी कर्मचारी की नौकरी अभी 6 से 10 साल तक बाकी है उसे 18.5 लाख रुपय, 10साल से ज्यादा बाकी कार्यकाल वाले कर्मचारी को 22.25 लाख रुपय देने का वादा किया है।

मालवीय ने फैक्ट्री बंद होने का ठीकरा सीपीआईएम की यूनियनबाजी और टी.एम.सी. की तौलाबाजी पर फोड़ा। भाजपा के एक नेता ने कहा कि ब्रिटानिया फैक्ट्री जो कभी बंगाल में औद्योगिक जीवन शक्ति का प्रतीक थी, उसे पहले सीपीआईएम की यूनियनबाजी और फिर बाद में टीएमसी की अथक तौलाबाजी का सामना करना पड़ा। टीएमसी की तौलाबाजी फैक्ट्री के ताबूत में आखिरी कील साबित हुई। मालवीय ने कहा कि इस फैक्ट्री के बंद होने के बाद प्रदेश में रोजगार की स्थिति पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

हुड्डा और कुमारी शैलजा गुट के बीच उठापटक की राजनीति तेज हुई

इंडियन नैशनल लोक दल के प्रमुख अभय चौटाला ने भी हुड्डा पर लोकसभा चुनाव में भाजपा से सांठगांठ करने का आरोप लगाया

चंडीगढ़, 24 जून। हरियाणा में अगले कुछ महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लोकसभा चुनाव में पार्टी को 5 सीटों पर ही जीत मिली है, जबकि उसकी उम्मीदें कम से कम 7 या 8 सीटें हासिल करने की थीं। अब इसे लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। हरियाणा कांग्रेस में भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के दो गुट माने जाते हैं। अकसर कुमारी शैलजा मुखर रही हैं और हुड्डा को निशाने पर लेती रही हैं। अब उन्होंने एक बार फिर से इशारों में ही हुड्डा खेमे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यदि टिकट बंटवारा सही से किया गया होता तो इंडिया अलायंस को हरियाणा में 8 से 10 सीटें मिल सकती हैं।

कांग्रेस ने सूबे की 9 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि कुरुक्षेत्र की सीट आम आदमी पार्टी को दी गई थी। कुमारी शैलजा ने कहा कि, शायद हाईकमान या फिर राज्य के प्रभारी को जमीनी स्थिति की जानकारी नहीं थी। ऐसा भी हो सकता है कि उनके पास सही फीडबैक न पहुंचा हो। यदि ऐसा नहीं होता तो हम 5 की बजाय 8 या 10 लोकसभा सीट हासिल करते। कुमारी शैलजा ने अपने इस बयान में भले ही किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन टिकट बंटवारे का जिक्र कर हुड्डा कैम्प पर निशाना जरूर साध दिया। इसकी वजह यह है कि टिकट बंटवारे में कहा जाता है कि हुड्डा खेमे की ही चली है।

कुमारी शैलजा ने जहां पार्टी के भीतर से हुड्डा पर सवाल उठाया है तो वहीं इंडियन नैशनल लोक दल के प्रमुख नेता अभय चौटाला ने भी उन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि, हुड्डा ने भाजपा से सांठगांठ कर ली थी। इसके चलते ही कई सीटों पर कांठोस ने कमजोर उम्मीदवार उतारे थे। उन्होंने कहा कि हुड्डा अब भी भाजपा के हाथों खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव होने वाला है। इसके बाद भी हुड्डा अब तक तैयार नहीं हैं और विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार उतारने से भाग रहे हैं। ऐसा तब है, जब विपक्ष इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। इस बीच भूपिंदर सिंह हुड्डा ने रविवार को अंबाला में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांठोस कार्यकर्ताओं से कहा कि आप लोग तैयार रहें। असली लड़ाई तो अभी होनी है। उन्होंने कहा कि आपको यह तय करना होगा कि अंबाला की सभी 4 सीटों पर कांग्रेस जीत हासिल करे।

हरियाणा में 23 हजार लोगों की सरकारी नौकरी छिन जायेगी?

- **सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में सरकारी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को 5 बोनस अंक दिए जाने के फैसले पर रोक लगा दी है।**

नई दिल्ली, 24 जून। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के बाद अब हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट से भी बड़ा झटका लगा है। राज्य में सरकारी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को 5 बोनस अंक दिए जाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया है।

अब इस मामले में हरियाणा सरकार फंसती हुई नजर आ रही है। सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद सरकार पुनर्विचार याचिका दायर कर सकती है। अगर फिर भी राहत न मिली तो भर्तियां रद्द कर नए सिरे से एग्ज़ाम लेना ही सरकार के पास अंतिम रास्ता होगा। ऐसे में साल 2023 में निकाली गई ग्रुप सी और और ग्रुप डी में नियुक्ति पा चुके 23 हजार युवाओं की नौकरी पर तलवार लटक गई है। अब उन्हें दोबारा एग्जाम देना पड़ेगा। अगर वे पास नहीं हो पाए तो नौकरी से बर्खास्त हो जाएंगे। इन्हें भर्ती वाले साल में ही नियुक्ति भी दे दी गई थी।

हरियाणा में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में भाजपा की नायाब सैनी सरकार सरकार के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो गई है। मालूम हो कि, हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार ने नौकरियों में सामाजिक व आर्थिक आधार पर पिछड़े वर्ग के आवेदकों को 5 बोनस अंक देने का फैसला किया था। यह 5 मई, 2022 से लागू किया था।

इसके तहत जिस परिवार में कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में न हो और परिवार की आमदनी सालाना 1.80 लाख रुपए से कम हो, ऐसे परिवार के आवेदक को 5 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलता है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के कॉमन एलिजिबिलिटी टैस्ट में 1.80 लाख सालाना इनकम वाले परिवारों को बोनस अंक का लाभ दिया था। राज्य के परिवार पहचान पत्र वाले युवाओं को ही यह फायदा मिला। साल 2023 में निकाली गई ग्रुप सी और डी की भर्ती में ये फैसला लागू हुआ था।

इंडिया और एन.डी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रायगंज, राणाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला, तमिलनाडु की विक्रवंडी, मध्य प्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम और हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ सीटें खाली हैं।

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य में 5 विधानसभा क्षेत्रों में आगामी उपचुनाव के लिए चुनाव समितियों का गठन किया है। पार्टी के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की देखरेख चार सदस्यीय समिति करेगी, जिसे पार्टी के प्रचार समन्वय और रणनीति बनाने का काम सौंपा जाएगा। हाल में हुए आम चुनाव में मौजूदा विधायकों के लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद खाली हुईं 5 विधानसभा सीट झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर और चौरासी पर उपचुनाव होना है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर बैठकों के लिए समितियों का गठन किया गया है ताकि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ सीधा जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके।

भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने दावा किया कि छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की विजय होगी। उन्होंने कहा कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में पार्टी ने राज्य की सभी 29 सीटों पर विजय हासिल की है। लोकसभा चुनाव के दौरान अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को 15 हजार मतों की बढ़त मिली थी। अब उपचुनाव में पार्टी 51 हजार से अधिक मतों से जीतेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के हितग्राही ही पार्टी को जिताएंगे। अमरवाड़ा विधानसभा में 332 बूथ हैं। लोकसभा चुनाव में लगभग 200 बूथों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता सजग प्रहरी बनकर अपने-अपने बूथ को और मजबूत बनाने, पार्टी के साथ नए मतदाताओं को जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आ ान किया कि वे सभी बूथों पर पार्टी को जिताने का संकल्प लेकर जाएं।

भाजपा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। नड्डा ने कहा इतना वीभत्स हादसा हुआ और आपके नेतृत्व वाली पार्टी इस पर चुप बैठी है। नड्डा ने आगे कहा कि कुछ मुद्दों के लिए हमें पार्टी से ऊपर उठकर आवाज उठानी चाहिए। एस.सी., एस.टी. का कल्याण व सुरक्षा ऐसे ही मुद्दे है।

नड्डा ने कांग्रेस पार्टी पर इसलिए भी निशाना साधा कि वे एक असफल नेता को स्थापित करने का प्रयास बार-बार कर रहे है।

उन्होंने कहा कि खड़गे जी आज वास्तव में "न्याय" की बात करने की जरुरत है। एक असफल नेता को स्थापित करने के लिए इसे नारे के रुप में प्रयुक्त ना करे। आज तमिलनाडू की जनता व समस्त एस.सी. समुदाय कांग्रेस, खासकर गांधी व इंडिया गठबंधन की दोहरी नीति देख रहा है।

भाजपा प्रमुख ने खड़गे से कहा कि वे राहुल और प्रियंका से कहे कि वे पीड़ितों से मिले या कम से कम उनके लिए आवाज तो उठाए।

उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों में अवैध शराब के धन्धे या शराब घोटाले की तरफ विशेष रुझान है।

संसद के पहले ही दिन प्र.मंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवाज़ बुलंद करने देने की उनकी कोई योजना नहीं है।

प्रधानमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में तीन गुना मेहनत करके तीन गुना परिणाम देगी। उन्होंने कहा कि चुनाव महत्वपूर्ण थे, क्योंकि स्वतंत्रता के बाद यह दूसरी सरकार है जिसे लगातार तीन बार राज करने के लिए चुना गया। उन्होंने मीडिया से कहा कि "यह अवसर 60 वर्ष बाद आया है। इसका मतलब है कि जनता ने उनकी सरकार के समर्पण, नीतियों और इरादों पर अपनी मुहर लगा दी है। मैं इसके लिए जनता को धन्यवाद अदा करता हूं।"

तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए "आपातकाल" का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि "भारतीय लोकतंत्र पर लगे काले धब्बे को कल 50 साल हो जाएंगे। नई पीढ़ी नहीं भूलेगी कि भारतीय संविधान को किस तरह से समाप्त किया गया, देश को किस तरह से एक जेल में तब्दील कर लोकतंत्र को बंधक बना लिया गया। इस 50वीं बरसी पर देश एक शपथ लेगा कि ऐसा आगे कभी ना हो।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार देश और उसकी जनता की सेवा करने के लिए सबकों साथ लेकर चलने की निरंतर कोशिश करेगी, लेकिन साथ ही मैसेज भी देते हुए कहा कि "भारत को एक जिम्मेवार विपक्ष की जरुरत है, जनता अर्थपूर्ण बातें चाहती है, ना कि नारेबाजी।

वह बहस और कर्मठता चाहती है, ना कि संसद की कार्रवाई में व्यवधान। मैं उम्मीद करता हूं कि विपक्ष जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।"

उन्होने कहा कि देश का सांसदों से बहुत सी आकांक्षाए हैं। उन्होंने उनसे अनुरोध किया कि वे लोक कल्याण के लिए हर संभव कदम उठाएं। प्रधानमंत्री ने नवनिर्वाचित सांसदों को शुभकामनाएं देते हुए ध्यान दिलाया कि यह पहला मौका है, जबकि नए सांसद नए संसद भवन में शपथ लेंगे।

कांग्रेस का निशाना बनाकर की गईं प्रधानमंत्री की टिप्पणियों और प्रहारों पर खड़गे ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश यह उम्मीद कर रहा था कि प्रधानमंत्री नीट को लेकर हुए विरोध, पश्चिम बंगाल के ट्रेन हादसे या मणिपुर हिंसा के बारे में बोलेंगे। उन्होंने कहा कि, लोकसभा चुनावों में हुई नैतिक एवं राजनैतिक पराजय के बावजूद प्रधानमंत्री ने आज एक परम्परागत भाषण से अधिक लंबा भाषण दिया।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि "जनता यह उम्मीद कर रही थी कि प्रधानमंत्री नीट व अन्य भर्ती परीक्षाओं में हुए पेपर लीक के संदर्भ में युवाओं के प्रति थोड़ी सहानुभूति दिखाएंगे, लेकिन उन्होंने अपनी सरकार के भ्रष्टाचार और महा-धांधली की कोई जिम्मेवारी नहीं ली। मोदी जी पश्चिम बंगाल में हाल ही हुए ट्रेन हादसे और रेलवे के कुप्रबंधन के बारे में भी चुप्पी साधे रहे। मणिपुर पिछले 13 महीनों से हिंसाग्रस्त है, लेकिन मोदी जी ने वहाँ जाने की ज़हमत कभी नहीं उठाई ना ही उन्होंने वहाँ हुई ताज़ा हिंसा पर कोई चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि चाहे असम और नॉर्थ ईस्ट की बाढ़ हो, कमरतोड़ महंगाई हो, रूपए की ऐतिहासिक गिरावट या एग्ज़िट पोल-स्टॉक मार्केट के घोटाले का मुद्दा हो, प्रधानमंत्री चुप हैं।

खड़गे ने कहा कि "मोदी सरकार ने जनगणना को काफी समय से लम्बित रखा हुआ है और प्रधानमंत्री जातिगत जनगणना पर भी बिल्कुल खामोश हैं।"

कांग्रेस सांसदों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं पाएं।

राहुल ने एन.डी.ए. सरकार के 10 नकारात्मक मुद्दे गिनाएं जिन्हें वे 15 दिनों में उठाएंगे, वे ये है:

1. पश्चिम बंगाल की ट्रेन दुर्घटना
2. कश्मीर में आतंकी हमला
3. रेल यात्रियों का बुरा हाल
4. नीट घोटाला
5. नीट पी.जी. रद्द
6. यू.जी.सी. नेट पेपर लीक घटना
7. दूध, दालें व गैस के दामों में वृद्धि
8. जंगलों में आग लगना
9. जल संकट चल रहा है
10. बचाव की कोई व्यवस्था नहीं होने से लू से हो रही मौतें

अधिकतम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुदरा विक्रेता इस दौरान अपने पास 10 टन से अधिक गेहूं नहीं रख सकेंगे। थोक विक्रेताओं और स्टॉक सीमा व्यापारियों के लिए अधिकतम स्टॉक की सीमा तीन हजार टन रखी गयी है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गेहूं पर स्टॉक सीमा लागू करने का यह आदेश विनिर्दिष्ट खाद्य उद्य उत्पादों पर लाइसेंसिंग शर्त, स्टॉक सीमा और आवागमन प्रतिबंधों को हटाने (संशोधित करने) के आदेश, 2024 को आज यानी 24 जून से तत्काल प्रभाव से जारी कर दिया गया है और यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगा। इसी तरह आटा मिलें चालू वित्त वर्ष के बाकी माह की संख्या के गुणक के आधार पर अपनी मासिक प्रसंस्करण क्षमता के 70 प्रतिशत के हिसाब से गेहूं स्टाक रख सकती हैं।

एन.डी.ए. के लिए नई चुनौतियाँ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंक शाखाओं की बहुत कम संख्या होने जैसे मुद्दे उठाएंगे।

पात्रा ने कहा, "कोयले की रॉयल्टी बढ़ाने की ओडीशा की मांग को पिछले दस सालों से केन्द्र ने नज़रअंदाज़ किया है। इससे राज्य की जनता को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि, उन्हें अपना उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है।"

यह पूछे जाने पर कि, क्या बी.जे.डी. भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को मुद्दों पर आधारित समर्थन देने के अपने पुराने रुख पर कायम रहेगी, पात्रा ने कहा, "भाजपा को अब कोई समर्थन नहीं, केवल विरोध। हम ओडीशा के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "भाजपा को समर्थन देने का कोई प्रश्न नहीं है। बी.जे.डी. अध्यक्ष ने हमसे कहा है कि, यदि एन.डी.ए. सरकार ओडीशा की उचित मांगों को नज़र अंदाज़ करना जारी रखती है तो हम एन.डी.ए. सरकार के एक "सजीव व सशक्त विपक्ष के रुप में काम करें।"

ओडीशा विधानसभा चुनावों में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बी.जे.डी. ने सत्ता खो दी और भाजपा विजयी रही। लोकसभा चुनावों में भी बी.जे.डी. एक भी सीट नहीं जीत पाई। सन् 1997 में पार्टी के गठन के बाद पहली बार ऐसा हुआ है।

पूर्व में बी.जे.डी. ने ना केवल संसद में भाजपा को मुख्य विधेयकों पर समर्थन दिया है, बल्कि 2019 और 2024 में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव को राज्यसभा में भेजने में भेजने में मदद भी की है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने, तीस्ता जल बंटवारा और फरक्का बैराज के पानी को लेकर बांग्लादेश के साथ हुई वार्ता में पश्चिम बंगाल को शामिल नहीं करने पर "भारी एतराज़" जाहिर किया है।

बनर्जी ने प्रधानमंत्री से यह भी कहा कि, पश्चिम बंगाल को शामिल किए बिना वे पड़ोसी देशों से ऐसी कोई वार्ता ना करें।

मोदी को लिखे, तीन पृष्ठों के अपने पत्र में उन्होंने कहा है, "मैं यह पत्र, हाल ही में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की यात्रा के संदर्भ में लिख रही हूँ। ऐसा लगता है कि, गंगा और तीस्ता नदियों के जल बंटवारे से संबंधित मुद्दों पर, उनके साथ मीटिंग के दौरान वार्ता हुई होगी। राज्य सरकार की सलाह तथा विचार लिए बिना किया गया एकतरफा विचार विमर्श व वार्ता ना तो स्वीकार्य है ना ही उचित है।"

उन्होंने कहा भौगोलिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टि में बंगाल और बांग्लादेश में भारी समानता है।

बनर्जी ने कहा, "मैं बांग्लादेश के लोगों का भारी सम्मान करती हूँ उनसे प्रेम करती हूँ। लेकिन मैं इस बात पर अपनी गंभीर आपत्ति व्यक्त करती हूँ, बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि सम्बंधी वार्ता राज्य सरकार को शामिल किए बिना नहीं होनी चाहिए थी।

पश्चिम बंगाल की जनता का हित सर्वोपरि है उसके साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

ममता बनर्जी ने केन्द्रीय सरकार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **परम्परा के अनुसार, आज कोलकाता जो महसूस करता है वह कुछ समय बाद पूरा बंगाल महसूस करता है। वामपंथी सरकार पहले कोलकाता के म्युनिसिपल क्षेत्रों में हारने लगी, देखते-देखते ही, कुछ समय में बंगाल की गद्दी उसके हाथ से निकल गई।**
- **यह इतिहास जानते हुए, ममता बनर्जी का भयभीत होना, कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है।**

व्यापक भ्रष्टाार का कोई स्कोप नहीं होता था। वर्ष 2017 तक मैडिकल के एन्ट्रेन्स एग्ज़ाम राज्य सरकारों के अधीन ही होते थे।

बनर्जी ने ध्यान दिलाया कि राज्य मैडिकल डॉक्टर्स की ट्रेनिंग पर 50 लाख रूपए खर्च करते हैं और उनकी भर्ती प्रक्रिया में भी उन्हें अहमियत देनी चाहिए। मैडिकल एन्ट्रेन्स परीक्षाओं के केन्द्रीकरण का परिणाम सहयोगात्मक संघवाद के सीमित होने के रूप में हुआ।

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद ममता बेहद सक्रिय हो गई है और अब आकर्षण का केन्द्र बने रहने के लिए मुद्दे उछाल रही है। वह अपनी स्वयं की सरकार के संचालन के विविध पहलुओं को लेकर सार्वजनिक मीटिंग्स कर रही हैं। वह प्रशासनिक संचालन के विभिन्न स्तरों पर हुईं गंभीर त्रुटियों को स्वीकार रही हैं। इन गंभीर त्रुटियों के लिए बनर्जी ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों का नाम लेते हुए उन्हें जिम्मेदार माना है। उन्होंने साल्टलेक के विधायक सुजीत बोस पर बाहर के लोगों को लाने और सरकारी प्रॉपर्टी पर अतिक्रमण कर स्टाल्स लगवाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कई गंभीर गलतियों के लिए कई सीनियर अधिकारियों को नामत: जिम्मेदार ठहराया है और उनमें से कुछ की जांच व तबादले करने के लिए कहा है।

ममता बनर्जी ने इतने कड़े शब्दों में निंदा की कि कई लोगों को तो लगा कि शहर विकास मंत्री और कलकत्ता के मेयर फिराद हाकिम तुरंत इस्तीफा दे देंगे। जिस मीटिंग में मुख्यमंत्री तृणमूल नगर निगम की विफलता दर आगबबूला हो रही थी वहां हाकिम भी मौजूद थे।

लेकिन इस आलोचना के पीछे यह स्वीकारोक्ति थी कि शहरी क्षेत्र में तृणमूल पार्टी भाजपा से काफी पिछड़ गई है। कलकत्ता नगर निगम के सभी वॉर्डों में भाजपा आगे रही है।

कलकत्ता उत्तर की सीट से सुदीप बंदोपाध्याय को जीतने में कुछ मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से वोटिंग की ताकत मिली थी। अन्यथा सुदीप उनके प्रतिद्वन्द्वी भाजपा उम्मीदवार तापस रॉय से उत्तरी कोलकाता निर्वाचन क्षेत्र में काफी पीछे चल रहे थे। इन रूझानों को देखते हुए ममता बनर्जी के लिए यह चिन्ता का विषय है कि निकटवर्ती भविष्य में क्या स्थिति होगी।

विशेषज्ञों का कहना है, सामान्य शब्दों में कहा जाए तो कलकत्ता से ही सारे बदलाव पूरे बंगाल में होते हैं। ऐसा लम्बे समय तक वामपंथी शासन के दौरान हुआ था और यह रूझान कलकत्ता में देखा गया है जहां पर तृणमूल की शहरी क्षेत्र में अपनी पकड़ कमजोर होती दिख रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: CHURU: TRS CHURU: CALL: 8882899302. **AURIC MOTORS: BIKANER:** CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **NOKHA:** CALL: 8875009041. **HANUMANGARH:** CALL: 01552-223485, 9636045222. **SANGARIA:** CALL: 8003098518. **RAWATSAR:** CALL: 8875911529. **SURATGARH:** CALL: 01509-224228, 9636045444. **NOHAR:** CALL: 01555-220485, 8094003519. **SRI GANGA NAGAR:** CALL: 0154-2466225, 9636045333. **VIJAINAGAR:** CALL: 8094003518. **SRI DUNGARGARH:** CALL: 8003098509. **RAISINGH NAGAR:** CALL: 8003098519. **ANOOPGARH:** CALL: 8094003505. **BHADRA:** CALL: 8003098515. **DUDI AUTOMOBILES: BIKANER:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. **PADAMPUR:** CALL: 7412075151. **LUNKARANSAR:** CALL: 7412075129. **SRI KOLAYAT:** CALL: 7412075129. **TRS CHURU:** CALL: 8882899302. **AURIC MOTORS: SRIGANGANAGAR:** CALL: 8955559963. **VIJAINAGAR:** CALL: 8094003518. **HANUMANGARH:** CALL: 9636045222, 9982638509. **SANGARIA:** CALL: 8003098518. **RAWATSAR:** CALL: 8875911529. **SURATGARH:** CALL: 01509-224228, 9982638599. **NOHAR:** CALL: 01555-220485, 8094003519. **BIKANER:** CALL: 0151-2251819, 9636045111. **ANOOPGARH:** CALL: 8094003505. **SRI DUNGARGARH:** CALL: 8003098509. **BHADRA:** CALL: 8003098515. **RAISINGH NAGAR:** CALL: 8875911507. **SRIKARANPUR:** CALL: 8875911501. **SANGARIA:** CALL: 8875010576. **TIBBI:** CALL:8875012666. **SUJANGARH:** CALL: 8875009043, 8875009036. **NOKHA:** CALL: 8875009041. **DUDI AUTOMOBILES: BIKANER:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. **PADAMPUR:** CALL: 7412075151. **LUNKARANSAR:** CALL: 7412075129. **SRI KOLAYAT:** CALL: 7412075129. **TRS: CHURU:** CALL: 8882899302. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES: SIKAR:** CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA:** CALL: 9785644715. **FATEHPUR:** CALL: 01571-231007/ 9694086541. **SRIMADHOPUR:** CALL: 9694086547. **RAMGARH, TEHSIL DANTARAMGARH:** CALL: 9694086548. **AURIC MOTORS: JHUNJHUNU:** CALL: 8955664400. **NAWALGARH:** CALL: 8875010548. **MANDAWA:** 8696543579. **BISSU:** CALL: 7230081692. **MALSISAR:** CALL: 8875010557. **GUDHA:** CALL: 8875009037. **UDAIPURWATI:** CALL: 8696543577. **CHIRAWA:** CALL: 8875009031/32, 8875010550. **SINGHANA:** CALL: 8875009033, 7230081678. **PILANI:** CALL: 8875009034. **SUJANGARH:** CALL: 8875009043. **SARDARSHAHAR:** CALL: 8875911524, 7230081674. **RATANGARH:** CALL: 8875010549, 8875012686, 7230003526. **TARANAGAR:** CALL: 7230016987. **RAJGARH:** CALL: 8875009049 / 7230016275. **BIDASAR:** CALL: 8875012682. **TRS: CHURU:** CALL: 8882899302. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE, KOTA: CALL: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA: SHOWROOM: G-11-12, AUTOMOBILE ZONE NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 9829045729, 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.: KUNHARI:** CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. **SULTANPUR:** CALL: 9116178527. **BHAWANIMANDI:** CALL: 9116178557. **KHANPUR:** CALL: 07430-299240, 8306333715. **BHATIA & COMPANY: BARAN ROAD, ANTHA:** CALL: 9001997112. **BUNDI:** CALL: 9799497009. **HINDOLI:** CALL: 9001997142. **NAINWA:** CALL: 9929112923. **BARAN:** CALL: 9799497088. **JHALAWAR:** CALL: 07432-234005, 9929097092. **RAMGANJMANDI:** CALL: 07459-223399, 9928997200. **RAWAT BHATA:** CALL: 9829187004. **CHHABRA:** CALL: 9001997114. **ITAWA:** CALL: 9829818018. **KAPREN:** CALL: 9928354540. **SANGODH:** CALL: 9928907200. **AKLERA:** CALL: 9928318018. **JODHPUR: L.M.J. SERVICES LTD: INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWERHOUSE ROAD:** CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **BALOTRA:** CALL: 8094011142, 8094017705. **BARMER:** CALL: 8094011135, 8094017719. **SHEO:** CALL: 8094011135. **BILARA:** CALL: 8094019882. **BHOPALGARH:** CALL: 8094009857, 8094011128. **JAISALMER:** CALL: 02992-203222, 8094011137. **OSIAN:** CALL: 8094019882. **PIPAR:** CALL: 8094019893, 8094011128. **POKHRAN:** CALL: 8094002631. **SIWANA:** CALL: 8094017705. **LUNI:** CALL: 8094017715. **BAYTU:** CALL: 8094011135. **GUDAMALANI:** CALL: 8094011135. **CHANDAN:** CALL: 8094011137. **SUMERPUR:** 8094017723, 8094011136. **FALNA:** 8094002640. **SOJAT:** 8094017722.**MARWAR JUNCTION:** 8094002640. **RAIPUR:** 8094017722. **TIWARI:** CALL: 8094019882. **ASOP:** CALL: 8094011128. **JAITARAN:** CALL: 8094010933. **AURIC MOTORS PVT LIMITED: SARSWATI NAGAR, NEW PALI ROAD:** CALL: 9015900500. **BALESAR:** CALL: 9015900500. **BORUNDA:** CALL: 9015900500. **BAORI:** CALL: 9015900500. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.: PRATAP NAGAR:** CALL: 291 2762064/65 9929244412, 9929244403. **JALORE:** CALL: 9116137669, 9929244436. **BHINMAL:** CALL: 968005999. **SANCHORE:** CALL: 9928568669. **RANIWARA:** CALL: 7340061247. **PHALODI:** CALL: 9929244412, 9119180984. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS: NAGAUR:** CALL: 9116008626, 9116008630. **KUCHMAN CITY:** CALL: 9649518518. **DIDWANA:** CALL: 7231912912. **MAKRANA:** CALL: 7231913913. **LADNU:** CALL: 7230055912. **MERTA:** CALL: 7230055965. **DEGANA:** CALL: 9116009562. **PARBATSAR:** 7230055941. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.: PALI:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SUMERPUR:** CALL: 8094017723, 8094011136. **FALNA:** CALL: 8094010932. **JAITARAN:** CALL: 8094010933. **SOJAT:** CALL: 8094017722. **MARWAR JUNCTION:** CALL: 8094017701. **RAIPUR:** CALL: 8094017722. **AURIC MOTORS PVT LIMITED: AHORE:** CALL: 9015900500. **SAYLA:** CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.: JALORE:** CALL: 9929244436, 9116137669. **BHINMAL:** CALL: 9680059999, 9929244436. **SANCHORE:** CALL: 9929244436, 9928568669. **RANIWARA:** CALL: 7340061247, 9929244436. **TECHNOY MOTORS: REVDAR:** CALL: 9116653762. **JAWAL:** CALL: 9530396910. **R- OUTLET: JAWAL:** CALL: 9530396910. **NAVNEET MOTORS: SIROHI:** CALL: 02972-222917/ 18, 7665010638. **ABUROAD:** CALL: 02974-220090, 7665016624. **UDAIPUR: TECHNOY MOTORS: GOVARDHAN VILLAS:** 9982666809. **FATEHNAGAR:** CALL: 9530396817. **SAGWARA:** CALL: 02966-254767, 9982667899. **BHINDER:** CALL: 9530396848. **REVDAR:** CALL: 9024361043. **KHERWARA:** 9773378410. **JHADOL:** 9773379023. **SABLA:** 9724135470, 9773361078. **JAWAL:** 9530396910. **R- OUTLET: GOGUNDA:** CALL: 9983176396. **NAVNEET MOTORS: MADRI:** CALL: 0294-2494454, 9828059107. **SHOBHAGPURA:** CALL: 9829043600. **SIROHI:** CALL: 02972-222917/18, 7665010162. **ABUROAD:** CALL: 7230046383, 7665016624. **DUNGARPUR:** CALL: 7665001684. **SALUMBER:** CALL: 7665010649. **PINDWARA:** CALL: 7230019850. **SHEOGANJ:** CALL: 8387079113. **SIMALWARA:** CALL: 8769599339. **BHATIA & COMPANY: PRATAPGARH:** 01478- 220999, 9672685999. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS: BANSWARA:** CALL: 9414159145, 7665010625, 7665010628. **DUNGARPUR:** CALL: 7665001684. **PARTAPUR:** CALL: 7665010627, 9414159145. **TECHNOY MOTORS: SAGWARA:** CALL: 9982667899. **SABLA:** CALL: 9724135470, 9773361078. **R- OUTLET: SABLA:** CALL: 9724135470, 9773361078. **BHILWARA: BHATIA AND COMPANY: CHITTORGARH:** CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117. **NIMBAHERA:** CALL: 9772378667, 9413316799. **PRATAPGARH:** CALL: 9116665219, 9672683999. **BEGUN:** CALL: 9116652801, 9413316299. **MANGALWAD:** CALL: 9414038599. **CHAMPION CARS: BHILWARA:** CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **MANDALGARH:** CALL: 9602892417. **ASIND:** CALL: 9602892432. **BHARATPUR: TM MOTORS: BHARATPUR:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **DHOLPUR:** CALL: 8094777002, 8094519222. **NAGAR:** CALL: 8094777876, 8094000622.

*Terms and conditions apply. Offer valid for select models/ variants and in select states only. Accessories and features shown may not be part of standard equipment and may vary from variant to variant. Images used are for illustration purpose only. Appearance of black shade on glass is due to lighting effect. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw the offers at any point in time without any advance notice.